सांध्य दैनिक
RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 343 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शनिवार 26 सितंबर 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

दो दिन की बारिश ने मचाई तबाही, दुर्ग-रायपुर सहित प्रदेश के कई जिलों में बाढ़ का कहर

दुर्ग में एसडीआरएफ ने रात भर अभियान चलाकर बचाई 135 से अधिक जानें, छत्तीसगढ़ के कई जिलों में ऑरेंज व यलो अलर्ट

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बंगाल की खाड़ी बने चक्रवात अर्नब ने छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग और उससे लगे जिलों में भारी तबाही मचाई है। पिछले तीन दिनों से हो रही लगातार मूसलाधार बारिश के चलते क्षेत्र के अधिकांश नदी-नाले उफान पर आ गए हैं। इसके कारण कई मुख्य सड़कें जलमग्न हो गई हैं और एक जिले से दूसरे जिले का संपर्क पूरी तरह टूट गया है। धमतरी के गंगरेल बांध के सभी 14 गेट खोल दिए गए हैं। राज्य प्रशासन ने नदी तटों और निचले इलाकों में अलर्ट घोषित कर दिया है।

दुर्ग जिले में बीते दो दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश के कारण जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। नदी-नाले उफान पर हैं और कई निचले इलाकों तथा ग्रामीण क्षेत्रों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। सबसे ज्यादा प्रभावित कुम्हारी और अमलेश्वर थाना क्षेत्र के गांव हुए हैं, जहां पानी भरने से सैकड़ों लोग फंस गए। संकट की इस स्थिति में एसडीआरएफ, स्थानीय पुलिस और डायल 112 की टीमों ने देवदूत बनकर रात भर सघन रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया और लगभग 135 से अधिक लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला।

बाढ़ की सूचना मिलते ही एसडीआरएफदुर्ग की टीम रात 12 बजे कुम्हारी के ग्राम परसदा पहुंची। सुबह 5 बजे तक चले इस अभियान में मोटर बोट, लाइफ जैकेट और लाइफ रिंग्स की मदद से बाढ़ में फंसे 50 से 55 ग्रामीणों को सुरक्षित निकाला गया। इसी गांव के जगदीश बाड़ी क्षेत्र में जलभराव के बीच कई परिवारों के फंसे होने की खबर मिलते ही टीम ने पुन: मोर्चा संभाला। लगभग दो घंटे चले इस ऑपरेशन में बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों सहित कुल 60 लोगों को सुबह साढ़े 7 बजे सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया। अमलेश्वर थाना क्षेत्र में भी स्थिति गंभीर रही।

महादेव वाटिका के पीछे मटिया खार में रात 2 बजे फंसे 15 लोगों को रेस्क्यू कर राहत शिविर पहुंचाया गया। वहीं ग्राम खुड़मुड़ा में एक पूरी बस्ती पानी से घिर गई थी, जहां से एक गर्भवती महिला और कैंसर पीड़ित बुजुर्ग समेत 10 लोगों को एसडीआरएफकी टीम ने सुरक्षित बाहर निकाला।

बारिश के कारण नदियां विकराल रूप धारण कर चुकी हैं। रायपुर से पाटन मार्ग पर खारुन नदी का पानी महादेव घाट स्थित पुल के ऊपर से बह रहा है, जिससे आवागमन पूरी तरह ठप हो गया है। दूसरी ओर, शिवनाथ नदी के उफान पर होने से पुलगांव के पास सड़क से लगभग पांच फीट ऊपर पानी बह रहा है। उतई थाना क्षेत्र में नाले के तेज बहाव में एक युवक बाइक सहित बह गया और किस्मत से एक पेड़ में अटक गया। सूचना मिलते ही पुलिस और डायल 112 की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए युवक को सुरक्षित बाहर निकाला।

शहर के अंडरब्रिज डूबे, आम जनता परेशान

शहरी व औद्योगिक क्षेत्रों में भी जलभराव की गंभीर समस्या खड़ी हो गई है। भारी बारिश के कारण शहर के अधिकतर अंडरब्रिज डूब गए। भिलाई-3 के सिरसा गेट और चरोदा के एच केबिन के पास बने रेलवे अंडरब्रिज में भारी पानी भर गया है। इससे रेलवे के पीपी यार्ड सहित अन्य विभागों में कार्यरत कर्मचारियों को ड्यूटी पर पहुंचने में भारी मशक्कत करनी पड़ी। इसी तरह भिलाई शहर में सुपेला के चंद्रा-मौर्या और प्रियदर्शिनी परिसर अंडरब्रिज में में पानी भरा हुआ होने से आवाजाही बंद है। प्रशासन ने लोगों से अति आवश्यक होने पर ही घर से निकलने और सतर्क रहने की अपील की है।

शनिवार व रविवार को भी ऑरेंज और यलो अलट

अत्याधिक वर्षा के कारण प्रदेश के नदी-नाले उफान पर हैं। मौसम विभाग ने शनिवार व रविवार को भी कई जिलों में ऑरेंज और यलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने प्रदेश के बिलासपुर, मुंगेली, कबीरधाम, बेमेतरा, दुर्ग, रायपुर, राजनांदगांव, बालोद, कांकेर और धमतरी जिलों में आरेंज अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा बलरामपुर, सूरजपुर, जशपुर, सरगुजा, गौरेला पेंड्रा मरवाही, कोरबा, रायगढ़, जांजगीर चांपा, बलौदा बाजार, महासमुंद, गरियाबंद, नारायणपुर, कोंडागांव, बीजापुर, बस्तर, दंतेवाड़ा, सुकमा के अलग-अलग स्थानों पर बिजली चमकने के साथ हल्की बारिश होने की संभावना है।

गंगरेल बांध के सभी खोले

भारी बारिश के कारण जलस्तर को देखते हुए गंगरेल बांध के 14 गेट खोल दिए गए हैं। बांध से 2 लाख 50 हजार क्यूसेक से ज्यादा पानी छोड़ा जा रहा है। इसमें रुद्री बैराज के माध्यम से 4 हजार क्यूसेक से ज्यादा पानी नहर में, जबकि 2 लाख 47 हजार क्यूसेक से अधिक पानी महानदी में प्रवाहित किया जा रहा है। इसके अलावा सोंढूर जलाशय से करीब 27 हजार क्यूसेक, दुधावा जलाशय से 26 हजार क्यूसेक और मुरुमसिल्ली जलाशय से 12 हजार क्यूसेक पानी नदी में छोड़ा जा रहा है।

सरकार ने जारी किया आपातकालीन नंबर

लगातार बारिश और संभावित आपातकालीन परिस्थितियों को देखते हुए जिला प्रशासन ने नागरिकों की सहायता के लिए जिला कंट्रोल रूम स्थापित किया है। आपात स्थिति में सहायता के लिए जिला कंट्रोल रूम के दूरभाष नंबर 07722-232249 पर संपर्क किया जा सकता है। जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी आपात स्थिति में घबराएं नहीं और तत्काल कंट्रोल रूम को सूचना दें, ताकि जरूरत के अनुसार राहत और बचाव कार्य शीघ्र शुरू किया जा सके।

खास-खबर

ट्रैक धंसने से दुर्ग दल्लीराजहरा के बीच ट्रेने रद्द

भिलाई। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर रेल मंडल के दुर्ग दल्लीराजहरा सेक्शन में लाटाबोर -गुंडरदेही स्टेशनों के बीच भारी वर्षा के कारण ट्रैक पर जलभराव एवं ट्रैक धंसने की स्थिति को देखते हुए यात्री सुरक्षा के मद्देनजर कुछ ट्रेनों के परिचालन में अस्थायी परिवर्तन किया गया है। मौके पर मंडल रेल प्रबंधक दयानंद सहित संरक्षा अधिकारी एवं संबंधित अधिकारियों ने स्थिति पर पहुंचकर वास्तविकता की जानकारी ली। इंजीनियरिंग विभाग की तकनीकी टीम रेलवे ट्रैक को दुरुस्त करने में तत्परता से लगी हुई है। इस दौरान ट्रेन संख्या 78816 अंतागढ़-रायपुर का परिचालन दल्लीराजहरा से रायपुर के मध्य रद्द रहेगा। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए यह निर्णय लिया गया है। संबंधित सेक्शन में ट्रैक की स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है तथा आवश्यकतानुसार सुरक्षा मानकों के अनुरूप परिचालन संबंधी निर्णय लिए जा रहे हैं।

10 हजार लेते निगम का क्लर्क रंगे हाथ गिरफ्तार

बिलासपुर। सरकारी काम कराने के नाम पर रिश्वत मांगने वालों के खिलाफ एंटी करप्शन ब्यूरो ने कार्रवाई की है। बिलासपुर में एसीबी की टीम ने नगर निगम के संपदा अधिकारी कार्यालय में पदस्थ एक क्लर्क को कथित तौर पर 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के बाद निगम कार्यालय में हड़कंप मच गया। मिली जानकारी के मुताबिक, संपदा अधिकारी दफ्तर में पदस्थ क्लर्क लक्ष्मीकांत कोका पर आरोप है कि, उसने लीज रिन्यूअल कराने के एवज में 10 हजार रुपये की रिश्वत की मांग की थी। इस संबंध में राजकिशोर नगर निवासी अजीत शुक्ला ने ,ष्टक्क से शिकायत की थी। शिकायत का सत्यापन करने के बाद एसीबी बिलासपुर की टीम ने जाल बिछाया। तय योजना के तहत जैसे ही शिकायतकर्ता ने क्लर्क को रिश्वत की रकम दी, टीम ने उसे रंगे हाथ पकड़ लिया। एसीबी की टीम आरोपी क्लर्क के खिलाफआगे की कार्रवाई कर रही है।

झूठे रेप केस में फंसाने की दी धमकी, युवक ने की आत्महत्या

कवर्धा। जिले में लिव-इन रिलेशनशिप से जुड़ा एक गंभीर मामला सामने आया है। शादी के लिए दबाव और मानसिक प्रताड़ना के बाद युवक द्वारा आत्महत्या किए जाने के मामले में सिटी कोतवाली पुलिस ने उसकी लिव-इन पार्टनर अमीना ताज को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच के आधार पर आरोपी के खिलाफ आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरित करने की धारा 108 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, यह पूरा मामला 29 जुलाई 2026 का है। पुलिस को सूचना मिली थी कि, आलोक दुबे ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। जांच के दौरान घटनास्थल का निरीक्षण, पोस्टमार्टम रिपोर्ट, वैज्ञानिक अधिकारी की रिपोर्ट और परिजनों एवं गवाहों के बयान लिए गए।

केंद्रीय जेल रायपुर में महिला खुली जेल का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। डीजी, जेल हिमांशु गुप्ता के कर कमलों से केंद्रीय जेल, रायपुर में छत्तीसगढ़ राज्य की पहली महिला खुली जेल का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर योगेश सिंह क्षत्री (जेल अधीक्षक), महिला ओपन जेल प्रभारी खुशबू मिश्रा एवं जेल विभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ राज्य में पहली बार इस प्रकार की महिला ओपन जेल प्रारंभ की गई है। रायपुर जेल में उपलब्ध अधोसंरचना का उपयोग करते हुए ओपन जेल खोला गया है।

इस ओपन जेल में 25 महिला बंदिनियाँ रहेंगीद्य ये महिला बंदिनी सुबह विभिन्न कार्य करने के लिए जेल के बाहर निकलेंगी तथा शाम को कार्य पूर्ण कर लॉकअप होने के पूर्व जेल में वापस आ जाएंगी। महिला बंदिनियों को जेल की ऊंची दीवारों के बाहर मंदिर के पास स्थित परिसर में सिलाई सेन्टर, ब्यूटी पार्लर एवं जेल उत्पादों के बिक्री केंद्र में रोजगार दिया जाएगा।

पीएम नरेन्द्र मोदी से सीएम योगी ने की मुलाकात

नइदिल्ली। उत्तर प्रदेश में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले सूबे के सियासत में अभी से गर्मी बढ़ती नजर आ रही है। इस बीच यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पीएम आवास पर मुलाकात की। सियासी गलियारों में पीएम मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मुलाकात को आगामी चुनाव की तैयारियों और पार्टी की रणनीति के संदर्भ में देखा जा रहा है। योगी आदित्यनाथ की दिल्ली यात्रा ने उत्तर प्रदेश की राजनीति में चर्चाओं को भी तेज कर दिया है। शीर्ष नेतृत्व के साथ उनकी बैठक को लेकर कई तरह के राजनीतिक कयास लगाए जा रहे हैं।

वर्षों पुरानी मांग पूरी, चंडालपुर अब कहलाएगा 'चंदनपुर'

■ **राजपत्र लेकर गांव पहुंचे उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा**

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। तेज बारिश के बीच शुक्रवार देर रात उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा गांव की नई पहचान का राजपत्र लेकर चंदनपुर पहुंचे। लंबे समय से नाम परिवर्तन की मांग कर रहे ग्रामीणों के बीच पहुंचकर उन्होंने राजपत्र की प्रति सौंपते हुए उन्हें बधाई दी। बारिश के बावजूद बड़ी संख्या में ग्रामीण स्वागत के लिए जुटे रहे। मांग पूरी होने की खुशी में ग्रामीणों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाई और उप मुख्यमंत्री का आत्मीय स्वागत किया। कबीरधाम जिले के ग्राम चंडालपुर का नाम अब आधिकारिक रूप से बदलकर चंदनपुर कर दिया गया है।

नाम परिवर्तन की खुशी के बीच उप मुख्यमंत्री ने गांव के विकास कार्यों के लिए सीसी रोड और सामुदायिक भवन के लिए 11.70 लाख रुपए देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों की सुविधा के लिए विशेष शिविर लगाया जाएगा। इसमें आधार कार्ड सहित अन्य दस्तावेजों में गांव का नाम बदलने की प्रक्रिया पूरी कराई जाएगी, ताकि ग्रामीणों को इसके लिए अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। छत्तीसगढ़ शासन ने ग्राम चंदनपुर के नाम परिवर्तन का राजपत्र में विधिवत प्रकाशन कर दिया है। इसके साथ ही गांव का नया नाम अब सरकारी अभिलेखों और शासकीय वेब पोर्टल में स्थायी रूप से दर्ज रहेगा।

एशियन गेम्स के महिला कबड्डी में भारत को गोल्ड, सीएम साय ने दी बधाई

■ **मुख्यमंत्री साय ने भारतीय महिला कबड्डी टीम की स्टार खिलाड़ी संजू देवी से बात**

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारत ने एशियन गेम्स 2026 में तीसरा गोल्ड जीत लिया है। भारतीय टीम ने महिला कबड्डी के फाइनल में ईरान को 37-34 से हराया। उसने लगातार 5वें एशियाड में मेडल जीता है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने महिला कबड्डी टीम की सदस्य एवं छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले की निवासी संजू देवी को

फोन कर इस शानदार उपलब्धि के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने संजू देवी से आत्मीय संवाद करते हुए उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की और कहा कि उनकी इस उपलब्धि से पूरा छत्तीसगढ़ गौरवान्वित है।

मुख्यमंत्री साय ने संजू देवी से कहा कि आपने अपनी प्रतिभा, कड़ी मेहनत और शानदार प्रदर्शन से न केवल छत्तीसगढ़, बल्कि पूरे देश का नाम रोशन किया है। एशियन गेम्स जैसे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारतीय महिला कबड्डी टीम की स्वर्णिम सफलता प्रत्येक देशवासी के लिए गर्व का क्षण है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि में छत्तीसगढ़ की बेटी की महत्वपूर्ण भागीदारी प्रदेश के लिए विशेष गौरव की बात है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ की बेटियां आज शिक्षा, खेल सहित प्रत्येक क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और सामर्थ्य का परचम लहरा रही हैं। कोरबा की संजू देवी ने अपनी मेहनत और खेल कौशल के बल पर राष्ट्रीय टीम में स्थान बनाया और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करते हुए प्रदेश का मान बढ़ाया है। उनकी सफलता प्रदेश के उन हजारों युवा खिलाड़ियों, विशेषकर बेटियों के लिए प्रेरणा है, जो खेल के क्षेत्र में आगे बढ़कर देश और प्रदेश का नाम रोशन करने का सपना देख रहे हैं।

28 सितंबर से लगातार 3 दिन बंद रहेंगे बैंक, संडे को छुट्टी के दिन भी खुलेंगी ब्रांच

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आपको भी अगर बैंक जाकर कोई जरूरी काम निपटाना है तो सोमवार का इंतजार करने की गलती बिल्कुल न करें। 28 सितंबर से लगातार तीन दिनों तक सरकारी बैंकों के शटर डाउन रह सकते हैं। ऐसे में ग्राहकों को किसी भी तरह की परेशानी से बचाने के लिए सरकार और बैंकों ने बड़ा फैसला लिया है। कल यानी रविवार को ही सभी सरकारी बैंक खुले रहेंगे। इसलिए संडे को ही जाकर अपने जरूरी काम कर लें।

यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस ने 28 से 30 सितंबर तक देशव्यापी हड़ताल का आह्वान किया है। लगातार 3 दिन शाखाएं

बंद रहने से आम जनता, कारोबारियों और पेंशनभोगियों को कैश और चेक क्लीयरेंस में भारी दिक्कत न आए, इसीलिए केंद्र सरकार ने संडे को सार्वजनिक क्षेत्र के सभी बैंकों को खुला रखने का आदेश दिया है।

भारतीय स्टेट बैंक, बैंक ऑफ इंडिया और यूको बैंक सहित लगभग सभी बैंकों ने अपने ग्राहकों को हड़ताल को देखते हुए साफ किया है कि हड़ताल के दौरान ब्रांच स्तर पर कर्मचारियों की कमी से काउंटर सर्विस प्रभावित हो सकती है। बैंकों ने कहा है कि नकदी की जरूरत के लिए,ञ्जरू और कैश डिपॉजिट मशीनों का रुख करें फंड ट्रांसफर, बिल पेमेंट और बाकी कामों के लिए बैंकिंग ऐप्स, नेट बैंकिंग और यूपीआई का इस्तेमाल करें। हड़ताल के बावजूद ये सेवाएं 24 चालू रहेंगी।

बैंकों की इस देशव्यापी केवल राष्ट्रीयकृत बैंक ही नहीं, बल्कि क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक भी इस हड़ताल में शामिल हो रहे हैं। हड़ताल का सबसे बड़ा असर सरकारी बैंकों और कुछ पुराने प्राइवेट बैंकों जैसे कर्नाटक बैंक पर दिखेगा। कर्नाटक बैंक ने भी चेतावनी दी है कि उनके ऑपरेशन्स पर असर पड़ सकता है।

संपादकीय

ट्रंप-जिनपिंग वार्ता

व्यापारिक युद्धविराम बढ़ना यथास्थिति का संकेत

वैसे तो चमक-दमक और जोरदार मेहमाननवाजी के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच वॉशिंगटन में हुई मुलाकात प्रथम दृष्टया शानदार नजर आती है। लेकिन हकीकत में इस समिट का कोई ठोस परिणाम नजर नहीं आया। दिल मिलें न मिलें हाथ मिलाने की तर्ज पर एक बात तो स्पष्ट है कि दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं कितनी गहराई तक आपस में जुड़ी हुई हैं। उनमें गहरे मतभेद और मुखर प्रतिद्वंद्विता आज भी कायम है। वार्ता का स्पष्ट परिणाम उनके बीच व्यापारिक युद्ध विराम का आगे बढ़ना है। हालांकि, दोनों देशों के व्यापारिक मामलों को लेकर बुनियादी विवाद अभी खत्म नहीं हुए हैं। अमेरिका ने कई तरह के टैरिफ चीन पर थोपे हैं, अमेरिकी सामान का चीन द्वारा खरीदने का विवाद, रेयर-अर्थ सप्लाई और चीन को दी जाने वाली उन्नत तकनीकों पर अमेरिकी प्रतिबंध जारी हैं। लेकिन दोनों देशों के कारोबारियों के लिये थोड़े समय की राहत को स्थायी समझौता नहीं माना जा सकता। हालांकि इसके बावजूद इस शिखर सम्मेलन के संकेतिक महत्व को स्वीकार करना होगा। जिस तरह चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के लिए रेड कॉर्पेट बिछाया गया, राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप जिस तरह परंपरा को नजरअंदाज करके हवाई अड्डे पर शी जिनपिंग का स्वागत करने गए, उससे प्रतिस्पर्धी दौर में चीन के बढ़ते प्रभाव का ही पता चलता है। ट्रंप ने गर्व के साथ व्हाइट हाउस के नये रूप में तैयार परिसर को उन्हें दिखाया और शानदार राजकीय भोज का भी आयोजन किया। हालांकि, ताइवान के मामले में बहुत कुछ दांव पर लगा था। शी ने वाशिंगटन से ताइवान की आजादी का विरोध करने और इस मुद्दे को संवेदनशील ढंग से संभालने का भी आग्रह किया। जिसे चीन वक्त की समझदारी मानता है। हालांकि, अमेरिका ताइवान के मुद्दे पर एक अस्पष्ट नीति को अपनाए हुए है। एक ओर अमेरिका ताइवान की अपनी रक्षा करने की नीति का समर्थन तो करता है, लेकिन उसकी संप्रभुता को औपचारिक मान्यता भी नहीं देता।

" अमेरिका ने कई तरह के टैरिफचीन पर थोपे हैं, अमेरिकी सामान का चीन द्वारा खरीदने का विवाद, रेयर-अर्थ सप्लाई और चीन को दी जाने वाली उन्नत तकनीकों पर अमेरिकी प्रतिबंध जारी हैं। लेकिन दोनों देशों के कारोबारियों के लिये थोड़े समय की राहत को स्थायी समझौता नहीं माना जा सकता। हालांकि इसके बावजूद इस शिखर सम्मेलन के संकेतिक महत्व को स्वीकार करना होगा। जिस तरह चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के लिए रेड कॉर्पेट बिछाया गया, राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप जिस तरह परंपरा को नजरअंदाज करके हवाई अड्डे पर शी जिनपिंग का स्वागत करने गए, उससे प्रतिस्पर्धी दौर में चीन के बढ़ते प्रभाव का ही पता चलता है।

सही मायने में इस बहाने शी ने डोनॉल्ड ट्रंप को चीन की प्राथमिकताओं से अवगत कराया। उन्होंने अमेरिका को संकेत दिया कि चीन ताइवान के मुद्दे पर किसी भी तरह का समझौता करने को तैयार नहीं है। वास्तव में चीनी रणनीति का सिद्धांत उस अवधारणा पर केंद्रित है, जो टकराव के खतरे को बताती है। यह खतरा तब पैदा होता है जब कोई स्थापित शक्ति किसी उभरती शक्ति का सामना करती है। वहीं चीनी राष्ट्रपति ने मौजूदा वैश्विक प्रतिस्पर्धा के बीच सैन्य बातचीत की अपरिहार्यता को बताया। साथ ही किसी भी तरह के संकट को टालने के लिये मजबूत तंत्र बनाने का भी आह्वान किया। निस्संदेह, इस तरह की पहल करना इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि बीजिंग और वाशिंगटन के मध्य असहमति केवल अर्थव्यवस्था तक ही सीमित नहीं है, बल्कि सुरक्षा और तकनीक के क्षेत्रों तक विस्तृत है। सही मायने में कृत्रिम बुद्धिमत्ता खोज हेतु जारी तीव्र होड़ ने इस अंतर को दर्शाया है। आज बेहद तेजी से विकसित होती एआई तकनीक को लेकर तरह-तरह की आशंकाएं पैदा हुई हैं। दुनिया में एआई के शोध-अनुसंधान की गति को धीमा करने की मांग की जा रही है ताकि मानवता के लिये नया संकट पैदा न हो। एक ओर ट्रंप ने एआई को नियमों से बचाने पर जोर दिया है, वहीं दूसरी ओर शी जिनपिंग ने तर्क दिया कि एआई को इंसानी नियंत्रण में रखा जाना चाहिए। इसकी भूमिका सिर्फ मानव हित में काम करने तक ही सीमित रहनी चाहिए। दो महाशक्तियों में एआई को लेकर भिन्न-भिन्न नजरिये से स्पष्ट होता है कि भविष्य में इस क्षेत्र में सहयोग शायद मुश्किल होगा। दरअसल, दोनों को भय है कि यदि एआई का नियमन किया गया तो एक देश दूसरे से एआई की तरक्की में पीछे रह सकता है। निस्संदेह, इस शिखर सम्मेलन से भले ही कोई बड़ी कामयाबी हासिल न हुई हो, इसके बावजूद इस मुलाकात का अपना एक विशेष महत्व तो है। शिखर सम्मेलन का महत्व इस बात को लेकर भी है कि वॉशिंगटन और बीजिंग अपनी लगातार बातचीत को व्यावहारिक स्थिरता में बदल सकते हैं। निस्संदेह, दोनों देशों की प्रतिद्वंद्विता को टकराव में बदलने से रोका जाना चाहिए।

विश्वविद्यालयों में नयी ऊर्जा संचार का वक्त

अविजित पाठक

उच्च शिक्षा का लक्ष्य आज्ञाकारी नागरिकों को फैक्टरी की तरह तैयार करने तक सीमित नहीं होना चाहिए। लोकतंत्र के लिए सार्वजनिक विश्वविद्यालयों का अस्तित्व जरूरी है। जहां विद्यार्थियों में लोकतांत्रिक मूल्यों, विविधता, सहिष्णुता और आलोचनात्मक सोच का विकास होता है। वहीं राजनीतिक दखल, शिक्षा का बाजारीकरण और निजीकरण ऐसे संस्थानों के लिए नुकसानदेह हैं।

असहिष्णुता के इस दौर में, परेशान करने वाला ख्याल मेरे मन में आ रहा है। क्या राजनीतिक प्रतिष्ठान को अब बौद्धिक रूप से जीवंत और शैक्षणिक रूप से समृद्ध, समावेशी सरकारी विश्वविद्यालयों की अहमियत और अधिक महसूस नहीं हो रही? अन्यथा, हमारे कुछ प्रमुख सरकारी विश्वविद्यालयों पर लगातार हो रहे हमलों को कैसे लिया जाए? मसलन, जाधवपुर यूनिवर्सिटी का हालिया उथल-पुथल भरा घटनाक्रम जो शायद पश्चिम बंगाल का सबसे जाना-माना शैक्षणिक संस्थान है।

ऐसा लगता है कि बंगाल की बीजेपी सरकार इस विश्वविद्यालय के राजनीतिक-सांस्कृतिक माहौल से ख़ास तौर पर ख़ुश नहीं। इसमें हैरानी की बात नहीं कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद और वामपंथी छात्र समूहों के बीच तनाव के बाद हिंसक झड़पें और आधी रात को तोड़-फोड़ होते हमें देखने को मिलीं। हमने भगवा मार्च और यूनिवर्सिटी गेट के सामने नागा साधुओं की मौजूदगी भी देखी। क्या अपनी ख़ास शारीरिक भंगिमाओं से ये साधु उन छात्रों और शिक्षकों को कोई संदेश देने की कोशिश कर रहे हैं, जिन्हें राजनीतिक व्यवस्था समस्याग्रस्त या अनैतिक असहमति रखने वाला मानती है?

वास्तव में, हालिया समय में हमारे प्रमुख सरकारी विश्वविद्यालयों पर हो रहे इस प्रकार के हमलों का कोई अंत नहीं दिख रहा है- जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी से लेकर टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज़ तक; या जामिया मिलिया इस्लामिया से लेकर दिल्ली यूनिवर्सिटी तक। टकराव नाना रूप धर कर सामने आ रहे - कुलपति नियुक्ति के तरीके से लेकर ज्ञान की नई राजनीति तक -वह जिसे 'भारतीय ज्ञान प्रणाली' कहा जा रहा है - ऐसा होने देकर आलोचनात्मक सोच व शैक्षणिक आजादी के माहौल को ख़त्म करने तक। हो सकता है हमारे प्रमुख सार्वजनिक विश्वविद्यालयों का सुनियोजित पतन एक नए कारोबार के बढ़ने का आधार भी बना रहा हो- तेज़ी से बढ़ रहे निजी विश्वविद्यालयों के ज़रिए शिक्षा का बाज़ारीकरण (यानी शिक्षा को बिकाऊ चीज़ बनाना)।

भले ही नव-उदारवाद के समर्थक - या वे लोग जो मुनाफ़े की समान सोच के साथ शिक्षा को भी पॉपकॉर्न की भांति बेचते हैं - हमारे बेहतरीन सार्वजनिक विश्वविद्यालयों के गिरते मूल्य पर आंसू न बहाएं, लेकिन वे सभी लोग, जिनकी ज़िंदगी इन संस्थानों की वजह से बदली है, उन्हें आगे आना चाहिए और अपनी आवाज़ उठानी चाहिए। निजी तौर पर मैं सदा दो बेहतरीन सार्वजनिक शैक्षणिक संस्थानों का आभारी रहूंगा - कोलकाता का प्रेसीडेंसी कॉलेज और दिल्ली की जेएनयू।

लेखक के मुताबिक- मैं अच्छे प्रोफेसरों, एक जीवंत शैक्षणिक संस्कृति, सार्थक बहस, संवाद एवं राजनीतिक मंथन के अनुकूल माहौल में और, सबसे बढ़कर, सामाजिक विविधता के समृद्ध अनुभव से पल्लवित होकर बड़ा हुआ हूं। लगता है कि वहां विशेषज्ञतापूर्ण अकादमिक ज्ञान अर्जित करने के अलावा, मैंने तीन ज़रूरी बातें सीखीं, जो मेरे हिसाब से एक लोकतांत्रिक, समावेशी व काफी हद तक बराबरी वाले समाज के विकास के लिए ज़रूरी हैं। सर्वप्रथम, मैंने (लेखक) अनेकता और मिल-जुलकर रहने की भावना को समझा। एक तमिल लड़का, एक मिज़ो लड़की, बिहार के दूर-दराज़ इलाके से आए एक दलित छात्र या केरल की एक होनहार मुस्लिम छात्रा के साथ बड़े होने के दौरान, मैंने दूसरों की भावनाओं को समझने (सहानुभूति), अलग-अलग संस्कृतियों के बीच संवाद बनाने और, सबसे बढ़कर, यह समझने की संवेदनशीलता सीखी कि भारतीय होने का असल मतलब अनिवार्य रूप से हमारी गौरवशाली अनेकता और विविधता के बीच दूसरों की बातों को गहराई से सुनने की कला विकसित करना है। कदाचित, एक बेहतरीन सार्वजनिक यूनिवर्सिटी का यह अनकहा सबक ही हमें धार्मिक कट्टरपंथ, विदेशियों के प्रति नफ़रत रखने वाली राष्ट्रवादी सोच और संकीर्ण पहचान की राजनीति को हमेशा शक की नज़र से देखने के क़ाबिल बना गया।

दूसरी बात, मैंने सीखा कि नव-उदारवाद या बाज़ार-केंद्रित मूलभूत सोच की भी अपनी सीमाएं होती हैं। हर चीज़ बिकाऊ नहीं होती। शिक्षा का अधिकार किसी एक वर्ग-विशेष का हक और आर्थिक पूंजी पर निर्भर नहीं होना चाहिए। किफ़ायती और अच्छी गुणवत्ता वाले सरकारी विश्वविद्यालय के बिना, हम उस बुराई का विरोध नहीं कर पाएंगे, जो सदियों से चली आ रही है - यानी सामाजिक एवं आर्थिक असमानता का लगातार बने रहना। कई बार मुझे लगता है कि मैं क़िस्मत वाला था कि मेरे बड़े होने के दौरान बढ़िया सरकारी विश्वविद्यालय मौजूद थे; वर्ना, मेरे माता-पिता के लिए मुझे बहुत महंगे और बाज़ारीकृत 'फाइव-स्टार' निजी विश्वविद्यालयों में भेजना और हर साल लगभग 13 लाख रुपये का इंतज़ाम करना नामुमकिन होता!

और तीसरी बात, मैंने सीखा कि लोकतंत्र समय-समय पर चुनाव करवाए जाने की रस्म-अदायगी भर नहीं है। सोचने, काम करने और जीने के तरीक़े वाला लोकतंत्र बनाने के लिए आलोचनात्मक सोच की भावना होना ज़रूरी है- यानी हमारे चुने हुए प्रतिनिधि जो करते हैं, या वे जिन आर्थिक और सांस्कृतिक नीतियों को बढ़ावा देते हैं, उनके असर को परखने और समझने की क्षमता होना। लोकतंत्र का मतलब विरोध की संस्कृति या प्रतिरोध की कला भी है। हम यह कैसे भूल सकते हैं कि इसी प्रतिरोध की संस्कृति के ज़रिए ही हम नस्लवाद, रंगभेद, उपनिवेशवाद, जातिवाद, छुआछूत, गरीबी, पितृसत्ता, धार्मिक कट्टरपंथ और फासीवाद से आगे बढ़ पाए हैं?

इसलिए, एक बढ़िया विश्वविद्यालय में, जब युवा छात्र नेल्सन मंडेला, ज्योतिराव फुले, सिमोन द बोउवार, मोहनदास करमचंद गांधी और रचनात्मक असहमति रखने वाले कई अन्यों के बारे में पढ़ते हैं, या पॉल रॉबसन को याद करते हुए 'वी शैल ओवरकम...' (हम होंगे कामयाब...) गाते हैं, तो यह सिर्फ़ उनके अकादमिक ज्ञान को बढ़ाने के लिए नहीं होता; असल में, इस प्रकार का बौद्धिक एवं सांस्कृतिक जुड़ाव उन्हें सशक्त बनाता है और लोकतंत्र के प्रति प्रतिबद्ध, बौद्धिक रूप से जागरूक और राजनीतिक रूप से सतर्क नागरिकों के तौर पर जीने के लिए प्रेरित करता है।

यह एक ज़रूरी सबक है, ख़ासकर तब जब बाज़ार-केंद्रित सोच रखने वाली और हावी हुई विचारधारा शिक्षा की कीमत को केवल 'नौकरी और तनख़्वाह' के नज़रिए से मापती हो। इसकी बजाय, आलोचनात्मक सोच और आज़ादी-पसंद राजनीति के इस पहलू पर बार-बार ज़ोर दिया जाना चाहिए, ख़ासकर तब जब सामाजिक रूढ़िवाद का एक नया रूप (जो उग्र धार्मिक राष्ट्रवाद की विचारधारा की ख़ासियत लिए है) असहमति रखने वाले हर व्यक्ति को 'दिमागी नक्सल' या 'टुकड़े-टुकड़े गैंग' का सदस्य ठहराकर बदनाम करता हो!

यह कहने में मुझे कोई हिचकिचाहट नहीं है कि एक लोकतांत्रिक समाज के लिए बढ़िया एवं उदार सार्वजनिक विश्वविद्यालयों की ज़रूरत होती है। आख़िरकार, उच्च शिक्षा का मक़सद केवल ऐसे आज्ञाकारी नागरिक तैयार करना भर नहीं है, जो मानो किसी फैक्टरी में ढले हों, या जो केवल टेक्नो-कॉरपोरेट साम्राज्य के लिए 'तकनीकी कुशल कार्यबल' तैयार करती हो। विश्वविद्यालय ऐसे जागरूक नागरिक भी तैयार करे, जिनकी आंखों में अभी भी एक न्यायपूर्ण और मानवीय दुनिया का सपना हो।

लेखक समाजशास्त्री हैं।

ज्ञान और युवा शक्तिः विकास का मूल आधार

विष्णु प्रसाद वर्मा
सहायक संचालक

किसी भी समृद्ध और सर्वसुविधायुक्त राज्य का निर्माण केवल भौतिक संसाधनों से नहीं, बल्कि उसके युवाओं की बौद्धिक क्षमता और कार्यकुशलता से संभव होता है। इसी दूरदर्शी सोच के साथ प्रदेश के विकास मॉडल के केंद्र में 'GYAN' यानी गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी को रखा गया है। युवाओं को आर्थिक और सामाजिक उन्नति का मुख्य आधार मानते हुए उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक व्यापक और परिणामोन्मुख कायाकल्प की शुरुआत की जा चुकी है। अब शिक्षा को केवल औपचारिक डिग्रियों तक सीमित न रखकर आधुनिक उद्योगों की माँग के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण और व्यावसायिक बनाया जा रहा है।

उच्च शिक्षा में मिशन मोडः उपलब्धियां और लक्ष्य

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन के तहत उच्च शिक्षा विभाग पूरी तरह से 'मिशन मोड' में कार्य कर रहा है। 'उच्च शिक्षा मिशन योजना' के सतत प्रयासों का ही परिणाम है कि प्रदेश का सकल नामांकन अनुपात वर्ष 2021-22 के 19.6 प्रतिशत से उल्लेखनीय बढ़त हासिल करते हुए वर्तमान में 27.5 प्रतिशत तक पहुँच गया है, जिसे वर्ष 2035 तक 50 प्रतिशत करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा गया है। विद्यार्थियों के सर्वांगीण और समावेशी विकास को ध्यान में रखते हुए प्रदेश के प्रत्येक जिले में एक सर्वसुविधायुक्त 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' महाविद्यालय की स्थापना की जा रही है। इसके साथ ही, शोध और अनुसंधान की संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'राज्य रिसर्च एवं इनोवेशन योजना' का खाका तैयार किया गया है। शिक्षा को जड़ों से जोड़ने के लिए आधुनिक वैज्ञानिक ज्ञान के साथ-साथ पारंपरिक भारतीय ज्ञान प्रणाली को भी विभिन्न विषयों के पाठ्यक्रमों में प्रमुखता से शामिल किया गया है।

शिक्षा में गुणवत्ता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए नैक मूल्यांकन पर विशेष बल दिया जा रहा है, जिसके तहत पात्र 254 शासकीय महाविद्यालयों में से 200 तथा 09 में से 05 विश्वविद्यालयों का मूल्यांकन सफलता से पूर्ण हो चुका है। भविष्य की आवश्यकताओं को देखते हुए शैक्षणिक अवसंरचना का भी तेज़ी से विस्तार किया जा रहा है; वर्ष 2025-26 में 08 नए शासकीय महाविद्यालय, 05 नए निजी महाविद्यालय और 03 नए निजी विश्वविद्यालय स्थापित किए जा रहे हैं। संस्थाओं में शिक्षकों की कमी दूर करने के लिए प्राध्यापकों, सहायक प्राध्यापक, ग्रंथपाल व क्रीड़ाधिकारी के पदों पर सीधी भर्ती की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे ये समन्वित प्रयास वर्ष 2047 के स्वर्णिम और विकसित प्रदेश की एक सुदृढ़ नींव रख रहे हैं।

ट्रंप की महत्वाकांक्षाओं का योगीकरण

चीन तो चाहे हमें चिढ़ा रहा हो या योगीजी का अनुसरण कर रहा हो, पर ट्रंप ने होर्मुज जलडमरूमध्य का नया नामकरण करके यह दिखा दिया है कि वे तो अवश्य ही योगीजी का अनुसरण कर रहे हैं।

अब यह कहना तो मुश्किल है जी कि ट्रंप का विक्टोरियाकरण हो रहा है या योगीकरण हो रहा है। जिस तरह से ट्रंप कनाडा को अमेरिका का ही एक प्रांत बताते रहते हैं, हालांकि इन दिनों कुछ भूल से गए हैं; जिस तरह से ग्रीनलैंड को अपना हिस्सा बताते हैं और आजकल फिर से याद करने लगे हैं; जिस तरह से वे वेनेजुएला के राष्ट्रपति को उठवा लेते हैं और हुक्म देते रहते हैं कि आगे से वेनेजुएला से ही तेल खरीदना, खबरदार जो रूस से खरीदा; जिस तरह से वे गाजा को खाली करवा कर उसे दुनिया का सबसे सुंदर पर्यटनस्थल बनाना चाहते हैं। हालांकि लगता है कि इधर ट्रंप टावर्स ने अपनी यह परियोजना छोड़ ही दी है—जो भी हो, इन सबसे यही लगता है कि वे अमेरिका का विक्टोरियाकरण करना चाहते हैं।

बल्कि अब तो एक कदम आगे जाकर उन्होंने होर्मुज जलडमरूमध्य को भी अमेरिका का हिस्सा ही घोषित कर दिया है, यह उनकी नई परियोजना है। फिर चाहे ईरान उसे वहां घुसने ही न दे रहा हो। पर बताते हैं कि उन्होंने उसे नया नाम भी दे दिया—ट्रंप या यूएस जलडमरूमध्य। इससे लगता है कि उनका सपना यही है कि जैसे महारानी विक्टोरिया के राज में—अंग्रेजों के राज में—कभी सूरज नहीं डूबता था, वैसे ही ट्रंप राज में भी कभी सूरज न डूबे। फिर चाहे उनकी रेटिंग कितनी ही गिर रही हो।

जलकुकड़े अमेरिका को साम्राज्यवादी मुल्क तो पहले भी कहते ही हैं। ब्रिटिश साम्राज्यवाद की जगह अमेरिकी साम्राज्यवाद ने ही ली है। लेकिन लगता है कि ट्रंप अंग्रेजों की तरह अब कंपनी राज भी स्थापित करना चाहते हैं। लेकिन जिस तरह से उन्होंने होर्मुज जलडमरूमध्य का नामकरण ट्रंप या यूएस जलडमरूमध्य कर दिया है, उससे कई बार यह भ्रम होने लगता है कि कहीं उनका योगीकरण तो नहीं हो रहा।

हमारे यहां तो योगीजी ही जिलों-शहरों आदि के नए-नए नाम रखते रहते हैं। नए नाम रखने में उन्होंने एक तरह से अंतरराष्ट्रीय ख्याति हासिल कर ली है। इतनी कि अब तो चीन भी अरुणाचल में जगहों के नए-नए नाम रख रहा है। हालांकि कुछ लोगों का मानना है कि ऐसा करके वह हमें चिढ़ा रहा है, लेकिन बहुत से लोगों का यह पक्का मानना है कि वह योगीजी का अनुसरण कर रहा है।

वैज्ञानिक व किसान मिलकर तलाशें पराली का समाधान

डॉ. वीरेंद्र लाथर

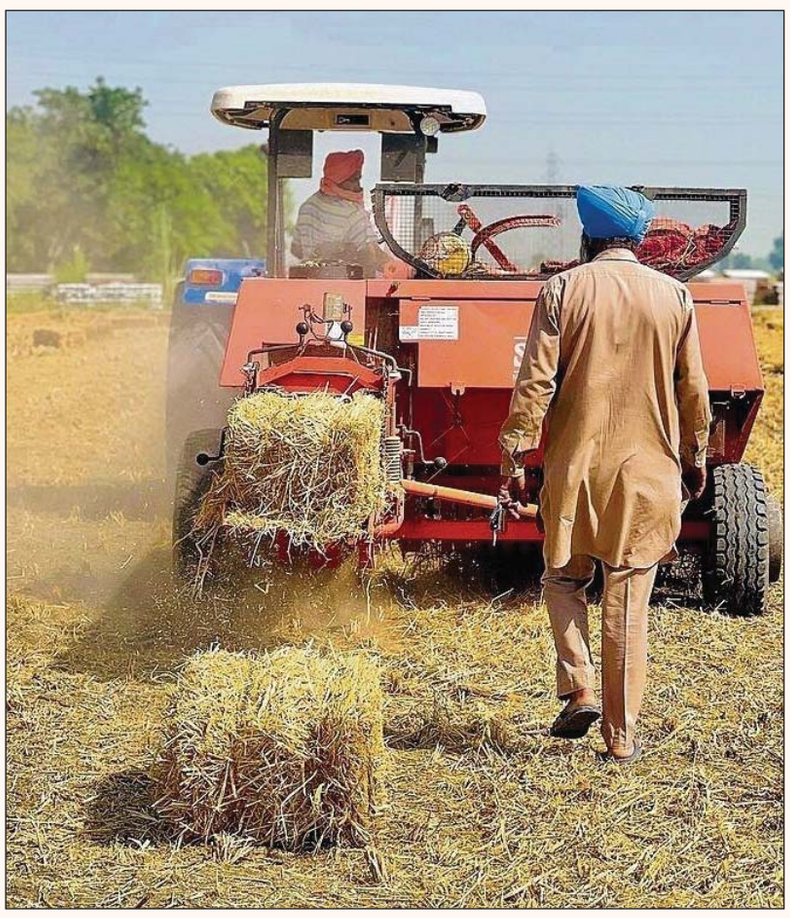

वायु प्रदूषण की आपदा के लिए तंत्र की गलत नीतियां जिम्मेदार हैं। राज्यों में धान की कटाई के बाद मिलने वाली अल्प अवधि में पराली को खेतों में बंडल बनाकर दूर-दराज स्थित उद्योगों में निपटान करने वाला सरकारी प्रयास तकनीकी तौर पर अव्यावहारिक, महंगा और पर्यावरण हितैषी भी नहीं है।

दिल्ली में वायु प्रदूषण की समस्या पर सुप्रीम कोर्ट ने 17 सितंबर, 2024 को कहा कि पड़ोसी राज्यों के किसानों को पराली जलाने के लिए मुक़दमे से पूरी तरह से छूट नहीं मिल सकती। कोर्ट ने सुझाव दिया कि वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग उल्लंघनकर्ताओं को जवाबदेह ठहराने के लिए दंडात्मक प्रावधान लागू करे। न्यायालय ने राज्यों और अन्य संबंधित अधिकारियों को पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 15 के अंतर्गत आने वाले सभी उल्लंघनों के अनुसार जुर्माना वसूलने के निर्देश भी दिए।

केंद्र सरकार ने नए नियमों के तहत फ़सल अवशेष जलाने की घटनाओं को रोकने के लिए जुर्माने की राशि खेत के आकार के आधार पर तय की है। वहीं समय पर जुर्माना न भरने पर इसे भू-राजस्व के बकाया के रूप में वसूला जा सकता है। इसके साथ ही, पराली जलाने से जुड़े खेतों को 15 महीने के लिए 'रेड कैटेगरी' में रखने जैसे प्रावधानों का मसौदा तैयार किया है। इसके तहत जमीन के रिकॉर्ड में 'रेड एंट्री' दर्ज होने से संबंधित किसान को फसल बेचने के साथ ऋण लेने और जमीन को बंधक रखने संबंधी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है और जुर्माने का प्रावधान भी है। इस मामले में बिना वैज्ञानिक तथ्यों को जाने और पराली प्रबंधन हेतु बिना व्यावहारिक विकल्प सुझाए किसानों पर दंडात्मक कार्रवाई करना सही नहीं है।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और आसपास के राज्यों में वायु प्रदूषण की समस्या के प्रमुख कारणों में वाहनों का उत्सर्जन, औद्योगिक प्रदूषण, निर्माण स्थलों से उड़ने वाली धूल और पराली दहन आदि को जिम्मेदार माना जाता है। दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक हर महीने बदलता रहता है। वायु प्रदूषण मानव निर्मित कारणों के अतिरिक्त मौसम और मानसून वर्षा चक्र जैसे अन्य कारकों पर भी निर्भर करता है। अक्तूबर महीने में मानसून की वापसी के साथ हवाओं के उत्तर में हिमालय पर्वत की दिशा से दक्षिण की ओर बहने से मौसम में ठंडक बढ़ने लगती है और वायु गति में भारी कमी दर्ज होती है। आमतौर पर दिल्ली की हवा मानसून की वर्षा के महीनों (जून-सितंबर) में स्वच्छ होती है, जबकि सर्दियों के महीनों (अक्तूबर-मार्च) में प्रदूषण का स्तर बढ़ जाता है। तब तापमान गिरने से धूल के कण पृथ्वी की निचली सतह के पर्यावरण में जम जाते हैं।

वैज्ञानिक तथ्यों के अनुसार सबसे ज़्यादा प्रदूषण नवंबर-मार्च के सर्द मौसम में होता है, जबकि धान की फसल की कटाई अक्तूबर तक होकर नवंबर में गेहूं की बुआई लगभग पूरी हो जाती है। इसलिए केवल किसान को वायु प्रदूषण के लिए जिम्मेदार ठहराना तथ्यों के विपरीत है। भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान की रिपोर्ट के अनुसार, वायु प्रदूषण में फसल अवशेष जलाने की हिस्सेदारी सर्द मौसम के शुरुआती अक्तूबर महीने में 25 प्रतिशत तक पहुंच जाती है, जबकि अन्य महीनों में यह हिस्सेदारी बहुत कम, नाममात्र रह जाती है। लेकिन देश का प्रशासनिक तंत्र वायु प्रदूषण के मुख्य कारणों—वाहनों का उत्सर्जन, औद्योगिक प्रदूषण, निर्माण स्थलों से उड़ने वाली धूल आदि—को रोकने में अपनी नाकामी को छिपाने के लिए वायु प्रदूषण का ठीकरा किसानों के सिर फोड़ता है।

उल्लेखनीय है कि पराली दहन उत्तर-पश्चिम भारत में वायु प्रदूषण का एक कारण है, जो मिट्टी की उर्वरता और मानव स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है। ये प्रदूषक धुंध की मोटी परत बनाते हैं, जो सूर्य की रोशनी को रोकती है और स्वास्थ्य समस्याएं पैदा करती है।

निस्संदेह, वायु प्रदूषण की आपदा के लिए तंत्र की गलत नीतियां जिम्मेदार हैं। इन राज्यों में धान की कटाई के बाद मिलने वाली अल्प अवधि में पराली को खेतों में बंडल बनाकर दूर-दराज स्थित उद्योगों में निपटान करने वाला सरकारी प्रयास तकनीकी तौर पर अव्यावहारिक, महंगा और पर्यावरण हितैषी भी नहीं है।

इन नाकामियों के बावजूद, कृषि अवशेष जलाने की रोकथाम की दिशा में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग द्वारा भारी-भरकम मशीन वाले विकसित ढांचे 'एक्स-सीटू' पराली प्रबंधन के लिए कुशल और मजबूत आपूर्ति श्रृंखला सुनिश्चित करने के लिए राज्यों को हर साल सलाह जारी की जा रही है। 'एक्स-सीटू' पराली प्रबंधन में इस्तेमाल होने वाली बहुराष्ट्रीय कंपनियों की करोड़ों रुपये मूल्य की मशीनों की सरकारी सब्सिडी पर बिक्री ही तंत्र का मुख्य उद्देश्य है। बिना सरकारी सब्सिडी वाले और किसान हितैषी समाधान के रूप में हरियाणा वायु प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और सरकार द्वारा 16 अगस्त, 2018 को वायु (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम के तहत कंबाइन हार्वेस्टर के लिए स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम को अनिवार्य करने वाले आदेश को कंबाइन हार्वेस्टर मालिकों के दबाव के कारण पिछले 8 वर्षों से लागू ही नहीं किया गया है।

पराली निपटान का पर्यावरण हितैषी समाधान इसे खेत में ही समाविष्ट करके जैविक खाद बनाना है। साथ ही, धान की कटाई के बाद प्रति एकड़ 30 किलो यूरिया छिड़ककर और मोल्ड बोर्ड हल या हैरो से पराली को मिट्टी की गहरी परतों में दबाने से यह 45 दिनों में जैविक खाद में बदल जाती है।

दरअसल, इससे पराली में मौजूद नाइट्रोजन, फॉस्फोरस और पोटेशियम संरक्षित होते हैं, जिससे अगली फसल की पैदावार में वृद्धि और मिट्टी की उर्वरता बनी रहती है। इसके लिए सुपर स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम से लैस कंबाइन हार्वेस्टर ज़रूरी हैं, जो पराली को छोटे टुकड़ों में काटकर खेत में फैलाते हैं। सरकार को किसानों के हित में प्रोत्साहन और संसाधन प्रदान करने चाहिए।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें...

विशेष बच्चों के लिए अभिव्यक्ति की उड़ान 27 को

भिलाई। सामाजिक संस्थान गोल्डन एम्पथी (जीई) फाउंडेशन द्वारा विशेष बच्चों के लिए आयोजित वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम अभिव्यक्ति की उड़ान का आयोजन 27 सितंबर रविवार को शाम 4 बजे से महात्मा गांधी कला मंदिर, सिविक सेंटर, भिलाई में किया जाएगा। इस कार्यक्रम में भिलाई, दुर्ग, राजनांदगांव, रायपुर एवं धमतरी के लगभग 15 विद्यालयों के विशेष बच्चे उत्साहपूर्वक भाग लेंगे। विभिन्न प्रकार की दिव्यांगता वाले बच्चे, जिनमें दृष्टिबाधित, मूक-बधिर तथा अन्य दिव्यांगता वाले बच्चे शामिल हैं, अपनी प्रतिभा को सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से मंच पर प्रस्तुत करेंगे। फाउंडेशन के संयोजक प्रदीप पिल्लई ने बताया कि संस्थान का उद्देश्य विशेष बच्चों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करने के साथ-साथ समाज में उनके प्रति सम्मान, समान अवसर और समावेश की भावना को मजबूत करना है।

महिलाओं ने निकाली भव्य स्वच्छता रैली

दुर्ग। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 'सेवा मेरा योगदान' के तहत आज दुर्ग जिले के जनपद पंचायत धमधा के ग्राम पंचायत देवरी, ग्राम पिटौरा और ग्राम भिंभौरी में ग्रामीण महिलाओं द्वारा स्वच्छता रैली का आयोजन किया गया। जिले की सभी 381 ग्राम पंचायतों में यह अभियान पूर्ण जनभागीदारी के साथ संचालित किया गया। इस राष्ट्रव्यापी अभियान का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता को केवल एक सरकारी कार्यक्रम न रखकर जन-आंदोलन का रूप देना है, जिससे सार्वजनिक स्थलों, जलस्रोतों व परिवेश को स्वच्छ एवं सुंदर बनाया जा सके। आज आयोजित इस रैली के दौरान ग्रामीण महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और हाथों में स्वच्छता संदेश लिखी तख्तियां लेकर पूरे गांव में भ्रमण किया।

'आरंभ' की ओर से 'इंद्रधनुष-2026' और सांगठनिक बैठक 27 को

भिलाई। प्रगतिशील जन-विचारधारा की साहित्यिक संस्था 'आरंभ' साहित्य समिति के बैनर तले हिंदी पखवाड़े के उपलक्ष्य में विशेष साहित्यिक कार्यक्रम 'इंद्रधनुष' (रंग हैं अनेक, भाव है एक) का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम 27 सितंबर रविवार को भिलाई निवास के इंडियन कॉफी हाउस सभागार में सुबह 10:30 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक आयोजित होगा। इसी के साथ संस्था की 10वीं सांगठनिक बैठक भी संपन्न होगी। साहित्यिक कार्यक्रम 'इंद्रधनुष' के इस आयोजन में 'आरंभ' के सुधी रचनाकार सदस्य कविता, लघुकथा, गीत, ग़ज़ल, व्यंग्य, कहानी एवं रुबाई-दोहा-मुक्तक आदि विभिन्न विधाओं में अपनी 3 से 4 मिनट की प्रस्तुति देंगे। अध्यक्षता: आचार्य डॉ. महेश चंद्र शर्मा (मुख्य सलाहकार, 'आरंभ') करेंगे। मुख्य अतिथि जाने-माने शिक्षाविद प्रो. डॉ. देवेंद्रनाथ शर्मा और अतिथि वक्ता व्यंग्यकार विनोद साव होंगे। विषय प्रवर्तन तारकनाथ चौधुरी करेंगे। मुख्य संचालन राकेश गुप्ता 'रुसिया' करेंगे।

स्कूली बच्चों में वैज्ञानिक सोच और नवाचार को बढ़ावा देने कार्ययोजना तैयार, प्रतियोगिता अगले महीने

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) दुर्ग (अछोटी) की ओर से स्कूली बच्चों में वैज्ञानिक सोच और नवाचार को बढ़ावा देने कार्ययोजना पर अमल किया जा रहा है। जिसमें आईआईटी भिलाई के फैकल्टी सदस्यों का विशेष मार्गदर्शन रहेगा। इस संबंध में स्कूली बच्चों के बीच माह अक्टूबर से प्रतियोगिताएं करवाई जाएंगी। इस दिशा में अटल टिंकरिंग लैब संचालित विद्यालयों के प्राचार्यों, प्रभारी व्याख्याताओं, सहायक संचालक (जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय) तथा जिला मिशन समन्वयक दुर्ग की तैयारी डाइट अछोटी दुर्ग के मार्गदर्शन में जारी है।

इस अभिनव पहल की तैयारी के लिए डाइट की टीम ने आईआईटी भिलाई का दौरा किया और फैकल्टी सदस्यों से मुलाकात की। इस दौरान

डाइट प्राचार्य पी.सी. मरकले, नोडल अधिकारी सत्येंद्र शर्मा, फैकल्टी सदस्य डॉ. शिशिर कना भट्टाचार्य और डॉ. नीलम दुबे उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि अटल टिंकरिंग लैब भारत सरकार के नीति आयोग की एक प्रमुख योजना है, जो दुर्ग जिले के 15 से 20 विद्यालयों में अटल इनोवेशन मिशन के तहत संचालित हो रही है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य स्कूली बच्चों में कम उम्र से ही वैज्ञानिक अभिरुचि, रचनात्मकता और नवाचार के प्रति रुचि विकसित करना है।

नोडल अधिकारी सत्येंद्र शर्मा ने बताया कि अटल टिंकरिंग लैब के माध्यम से छात्र-छात्राओं को रोबोटिक्स, 3 डी प्रिंटिंग, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), सेंसर और बुनियादी इलेक्ट्रॉनिक्स से जुड़े किट्स व उपकरणों का बेहतर उपयोग करना सिखाया जा रहा है। विज्ञान शिक्षकों के मार्गदर्शन में बच्चों द्वारा प्रोटोटाइप मॉडल तैयार कराए जा रहे हैं। डाइट द्वारा सभी विद्यालयों की एक इंटर स्कूल प्रतियोगिता आगामी अक्टूबर माह में आयोजित की जानी है, जिसके संबंध में तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए यह बैठक बुलाई गई है। डॉ. शिशिरकना भट्टाचार्य ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य बच्चों में डिजाइन थिंकिंग, कंप्यूटेशनल सोच, समस्या-समाधान और एडाप्टिव लर्निंग जैसे महत्वपूर्ण कौशल विकसित करना है। इन विषयों पर डाइट के संकाय सदस्यों द्वारा शिक्षकों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की कार्ययोजना भी तैयार की जा रही है।

प्रधानमंत्री ट्रॉफी छात्रवृत्ति एवं प्रतिभा सम्मान मेधावी विध्यार्थियों को छात्रवृत्ति व मेरिट अवार्ड

कला मंदिर सिविक सेंटर में कार्यक्रम, 75 छात्र-छात्राओं को दी गई प्रोत्साहन राशि

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र के शिक्षा विभाग द्वारा शुक्रवार को कला मंदिर, सिविक सेंटर, भिलाई में प्रधानमंत्री ट्रॉफी (सर्वोत्तम) छात्रवृत्ति वितरण समारोह एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन कार्यपालक निदेशक (सामग्री प्रबंधन) एके चक्रवर्ती के मुख्य आतिथ्य में किया गया। कार्यक्रम में मेधावी विद्यार्थियों को प्रधानमंत्री ट्रॉफी सर्वोत्तम छात्रवृत्ति एवं मेरिट अवार्ड प्रदान कर उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर-10 के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किया।

महाप्रबंधक (शिक्षा) शिखा दुबे ने स्वागत उद्बोधन में अतिथियों एवं पुरस्कार विजेताओं का अभिनंदन करते हुए भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा संचालित प्रधानमंत्री ट्रॉफी छात्रवृत्ति योजना के संबंध में जानकारी दी। इस योजना के तहत भिलाई इस्पात संयंत्र को 11 बार प्राप्त प्रधानमंत्री ट्रॉफी की पुरस्कार राशि

के अर्जित ब्याज से योग्य मेधावी विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान किया जाता है। उन्होंने कहा कि यह छात्रवृत्ति योजना विद्यार्थियों को अपने शैक्षणिक लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए निरंतर प्रयास करने हेतु प्रोत्साहित करती है।

मुख्य अतिथि एके चक्रवर्ती ने कहा कि छात्रवृत्ति एवं पुरस्कार विद्यार्थियों की उपलब्धियों को पहचान देने के साथ-साथ उनके भविष्य के लिए आत्मविश्वास का आधार तैयार करते हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने वाली ऐसी योजनाएँ जिम्मेदार नागरिकों के निर्माण, बेहतर समाज तथा सशक्त राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

ईडी पवन कुमार ने छात्रवृत्ति एवं मेरिट अवार्ड के लिए चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कार्यक्रम के आयोजन के लिए शिक्षा विभाग के प्रयासों की सराहना की तथा विद्यार्थियों को दृढ़ निश्चय के साथ अपने लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि छात्रवृत्तियाँ विद्यार्थियों को आर्थिक सहायता प्रदान करने के साथ-साथ उन्हें उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित करती हैं।

भिलाई इस्पात संयंत्र की एक महत्वपूर्ण पहल

एबी श्रीनिवास ने कहा कि प्रधानमंत्री ट्रॉफी छात्रवृत्ति योजना विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रतिभा एवं उपलब्धियों को प्रोत्साहित करने की दिशा में भिलाई इस्पात संयंत्र की एक महत्वपूर्ण पहल है। शैक्षणिक उत्थान सामाजिक एवं आर्थिक प्रगति का मजबूत आधार है। उन्होंने कहा कि यह योजना विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहन प्रदान करने के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है।

प्रधानमंत्री ट्रॉफी छात्रवृत्ति योजना वर्ष 2004-05 में प्रारंभ

प्रधानमंत्री ट्रॉफी छात्रवृत्ति योजना वर्ष 2004-05 में प्रारंभ की गई थी। योजना के अंतर्गत 75 छात्र-छात्राओं को प्रतिवर्ष 25,000 रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की जा रही है। विद्यार्थियों का चयन कक्षा 12वीं में प्राप्त अंकों के आधार पर किया जाता है। इस छात्रवृत्ति के लिए वे विद्यार्थी पात्र हैं, जिन्होंने गत वर्ष राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित संस्थाओं में प्रवेश लिया है। इस वर्ष इस श्रेणी के अंतर्गत कुल 215 आवेदन प्राप्त हुए।

प्रियदर्शनी परिसर में अमानक निर्माण पर विधायक रिकेश सख्त, जांच के निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र के प्रियदर्शनी परिसर सुपेला में निर्माणाधीन स्विमिंग पूल एवं स्केटिंग ग्राउंड के निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर गंभीर शिकायतें सामने आई हैं। मामले को लेकर वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने दुर्ग कलेक्टर को पत्र लिखकर निर्माण कार्य की उच्च स्तरीय जांच कराने तथा भुगतान प्रक्रिया की तकनीकी एवं वित्तीय जांच के निर्देश दिए हैं। विधायक ने इस पूरे मामले को उप मुख्यमंत्री अरुण साव के संज्ञान में भी लाया है।

विधायक श्री सेन ने पत्र में उल्लेख किया है कि जनहित और खिलाड़ियों की सुविधा के लिए कराए जा रहे इस निर्माण कार्य में स्वीकृत नियमों एवं तकनीकी मापदंडों के पालन को लेकर सवाल उठ रहे हैं। शिकायत के अनुसार मौके पर कार्य की वास्तविक प्रगति और दस्तावेजों में दर्शाई गई प्रगति में भी अंतर होने की बात सामने आई है। साथ ही निर्माण में उपयोग की जा रही सामग्री की गुणवत्ता पर भी गंभीर आपत्तियां जताई गई हैं।

पत्र में यह भी कहा गया है कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर शिकायतों के बावजूद संबंधित ठेकेदार को पहला बिल जारी किए जाने की जानकारी सामने आई है। विधायक ने भुगतान की पूरी प्रक्रिया की जांच कर यह सुनिश्चित करने की मांग की है कि कहीं शासकीय राशि का नियम विरुद्ध भुगतान तो नहीं किया गया।

विधायक रिकेश सेन ने कलेक्टर से मामले की निष्पक्ष जांच के लिए स्वतंत्र उच्च स्तरीय जांच कमेटी गठित करने, मौके पर चल रहे निर्माण कार्य की तकनीकी जांच तथा अब तक जारी किए गए बिलों और भुगतानों का वित्तीय ऑडिट कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने जांच पूरी होने तक निर्माण कार्य से संबंधित आगामी भुगतानों पर रोक लगाने तथा जांच में अनियमितता प्रमाणित होने पर जिम्मेदार अधिकारियों और संबंधित ठेकेदार के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई के भी निर्देश दिए हैं। विधायक ने कहा कि सार्वजनिक उपयोग से जुड़े ऐसे कार्यों में गुणवत्ता से समझौता स्वीकार नहीं। खिलाड़ियों और आम नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए निर्माण की गुणवत्ता, तकनीकी मानकों और शासकीय राशि के उपयोग की पूरी जांच आवश्यक है।

महिला चेम्बर भिलाई के 'रास रंग गरबा महोत्सव' के पोस्टर का विमोचन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। महिला चेम्बर भिलाई द्वारा नवरात्रि के अवसर पर भव्य 'रास रंग गरबा महोत्सव' का आयोजन किया जा रहा है। यह गरबा महोत्सव 14 एवं 15 अक्टूबर 2026 को स्टील क्लब, भिलाई में आयोजित होगा। आयोजन को लेकर महिला चेम्बर भिलाई की टीम ने आज दुर्ग जिले के कलेक्टर अभिजीत सिंह जी के कर-कमलों से कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन कराया।

इस अवसर पर महिला चेम्बर भिलाई की अध्यक्ष सुमन कन्नौजे, महासचिव सविता शर्मा, संरक्षक गीता वर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष रश्मि वर्मा एवं सहसचिव सुनीता सोनी, सरोजनी पाणिग्रही व आशा अग्रवाल उपस्थित रहीं।

महिला चेम्बर अध्यक्ष सुमन कन्नौजे व महासचिव सविता शर्मा ने बताया कि 'रास रंग गरबा महोत्सव' के माध्यम से नवरात्रि की सांस्कृतिक परंपरा, गरबा और डांडिया के उत्साह को एक मंच पर लाने का प्रयास किया जा रहा

है। यह हमारा छठवा वर्ष है ।आयोजन में महिलाओं, युवाओं एवं परिवारों के लिए विशेष आकर्षण रखे जाएंगे। उन्होंने भिलाईवासियों से अपील की कि बड़ी संख्या में इस आयोजन से जुड़कर नवरात्रि के उल्लास, संस्कृति और गरबा की रंगारंग परंपरा का आनंद लें। प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से सूचना सुनीता सोनी ने दी।

रुंगटा कॉलेज आर-1 में उद्यमिता प्रोत्साहन कार्यक्रम सम्पन्न

दिनकर बसोतिया की सफलता से प्रेरित हुए विद्यार्थी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। स्वावलंबी भारत अभियान एवं भिलाई चेम्बर ऑफ कॉमर्स के संयुक्त तत्वावधान में शहर के विभिन्न स्कूलों एवं कॉलेजों में चलाए जा रहे उद्यमिता प्रोत्साहन कार्यक्रम की कड़ी में आज रुंगटा कॉलेज आर-1 में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में शहर के प्रतिष्ठित व्यापारी श्री दिनकर बसोतिया विशेष रूप से आमंत्रित रहे। उन्होंने अपने व्यावसायिक सफर, संघर्ष, अनुभव और सफलता की कहानी विद्यार्थियों के साथ साझा की। उनकी प्रेरणादायी यात्रा ने विद्यार्थियों को चुनौतियों के बीच अवसर तलाशने तथा स्वयं के उद्यम की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चेम्बर महामंत्री श्री अजय भसीन ने आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना पर विस्तार से अपनी बात रखते हुए कहा कि देश को मजबूत बनाने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। युवाओं में रोजगार पाने के साथ-साथ रोजगार देने की सोच विकसित करना समय की आवश्यकता है।

अजय भसीन ने युवाओं से कहा—नवाचार को विचार तक सीमित न रखें, उसे उद्यम बनाएं कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चेम्बर महामंत्री श्री अजय भसीन ने आत्मनिर्भर भारत की दिशा में युवाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि आज के युवा केवल नौकरी तलाशने वाले नहीं, बल्कि रोजगार देने वाले उद्यमी बनने की क्षमता रखते हैं। उन्होंने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि यदि आपके मन में कोई नया विचार, नवाचार या व्यवसाय की नई सोच है, तो उसे केवल अपने तक सीमित न रखें। भिलाई चेम्बर आपके साथ खड़ा है। आपके आइडिया को आगे बढ़ाने के लिए फाइनेंस की व्यवस्था और उसके लिए उचित मार्केट उपलब्ध कराने में चेम्बर हरसंभव सहयोग करेगा।

उन्होंने कहा कि किसी भी बड़े उद्यम की शुरुआत एक छोटे से विचार से होती है। जरूरत है उस विचार पर विश्वास करने, उसे सही दिशा देने और उसे धरातल पर उतारने की। युवाओं के नवाचार को अवसर देना ही आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव है। वहीं भिलाई चेम्बर अध्यक्ष गार्गी शंकर मिश्रा ने विद्यार्थियों के बीच उद्यमिता एवं व्यवसायिक सोच के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि नए विचार, जोखिम लेने का साहस, निरंतर सीखने की प्रवृत्ति और आत्मविश्वास उद्यमिता की मजबूत नींव हैं।

मीडिएशन 3.0 को नई गति देने के लिए दुर्ग में मीडिएटर अधिवक्ताओं की विशेष बैठक

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। हर विवाद का अंत अदालत के आदेश से ही हो, यह जरूरी नहीं। कई बार एक बातचीत, एक समझ और एक सही समय पर उठाया गया संवाद का कदम, वर्षों से चले आ रहे विवाद को खत्म कर सकता है। इसी सोच को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की दिशा में मीडिएशन 3.0 अब एक ऐसे अभियान के रूप में आगे बढ़ रहा है, जिसका केंद्र केवल केस का निपटारा नहीं, बल्कि लोगों के बीच समाधान की संस्कृति विकसित करना है।

इसी उद्देश्य से माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, दुर्ग के मार्गदर्शन में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय, दुर्ग के सभागार में मीडिएटर अधिवक्ताओं एवं एडवोकेट मीडिएटर्स की विशेष बैठक आयोजित की गई। बैठक में इस बात पर गहन चर्चा हुई कि मीडिएशन 3.0 के माध्यम से अधिक से अधिक विवादों को संवाद, सहमति और मध्यस्थता की राह पर कैसे लाया जाए।

मीडिएशन 3.0 को तीन चरणों में आगे बढ़ाया जा रहा है। पहले चरण में ऐसे प्रकरणों की पहचान और उन्हें मध्यस्थता के लिए रेफर करने पर फोकस है। इसके बाद संवाद और समझौते की प्रक्रिया होगी और अंतिम चरण में हुए समझौतों के सत्यापन एवं प्रकरणों के समापन की कार्यवाही की जाएगी। जहा तक संभव हो, विवाद को संघर्ष से संवाद और मुकदमे से समाधान की ओर ले जाना। मध्यस्थता की प्रक्रिया के दौरान पक्षकारों को यह जानकारी दी जा रही है कि वे निर्धारित अवधि में मीडिएशन सेंटर, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग अथवा संबंधित न्यायालय से संपर्क कर मीडिएशन 3.0 का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

मध्यस्थता की सबसे बड़ी ताकत यही है कि इसमें समाधान केवल थोपा नहीं जाता, बल्कि पक्षकार स्वयं अपने समाधान का हिस्सा बनते हैं। यही वजह है कि यह प्रक्रिया केवल कानूनी विवाद को समाप्त करने तक सीमित नहीं रहती, बल्कि कई बार टूटते संबंधों को संवाद का एक और अवसर भी देती है।

दुर्ग में न्याय अब केवल अदालत की दीवारों तक सीमित नहीं

मीडिएशन 3.0 को अधिक प्रभावी बनाने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा व्यापक प्रचार-प्रसार एवं जनजागरूकता गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। विभिन्न स्तरों पर लोगों तक यह संदेश पहुंचाया जा रहा है कि हर विवाद का समाधान लंबी लड़ाई में नहीं, बल्कि सही समय पर की गई सही बातचीत में भी संभव है। यही विचार मीडिएशन 3.0 को एक अभियान से आगे बढ़ाकर संवाद आधारित न्याय की नई संस्कृति बनाने की दिशा में ले जा रहा है। दुर्ग से उठ रही यह पहल इस संदेश के साथ आगे बढ़ रही है कि न्याय केवल फैसला सुनाना नहीं, बल्कि जहां संभव हो वहां पक्षकारों को स्वयं समाधान तक पहुंचने का अवसर देना भी है।

शक्ति नगर वार्ड-18 में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शक्ति नगर वार्ड-18 स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में 'आंगन मिलन सेवा' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा संगठन वृत्ति चंद्राकर, एमआईसी सदस्य ठेवनारायण चंद्राकर एवं महिला मोर्चा अध्यक्ष अंजु तिवारी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बच्चों के लिए फैंसी ड्रेस एवं गोली-चम्मच खेल प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें कुल 25 बच्चों ने भाग लिया। महिलाओं के लिए बिंदी लगाओ प्रतियोगिता भी कराई गई, जिसमें प्रागेर चौधरी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों का वजन एवं स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। स्वस्थ बच्चों को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। गर्भवती महिला डेनिन सायका की गोदभराई की रस्म तथा 6 माह पूर्ण कर चुकी विशिका साय का अन्नप्राशन कराया गया।

Since 1972
CROWN®-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size
CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास खबर

अंबिकापुर के आस्था निकुंज वृद्धाश्रम में वरिष्ठजनों को मिला अपनत्व और सम्मान

रायपुर। सेवा संकल्प अभियान के तहत सेवा, संवेदना और जनभागीदारी की भावना को आगे बढ़ाते हुए अजीरमा, अंबिकापुर स्थित आस्था निकुंज वृद्धाश्रम में वरिष्ठजनों के सम्मान एवं सेवा का कार्यक्रम आयोजित किया गया। समाज कल्याण विभाग से अनुदान सहायता प्राप्त स्वसहायता समूह रॉबर्ट कानन बाला स्मृति सेवा संस्थान द्वारा वर्ष 1993 से संचालित इस वृद्धाश्रम में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल तथा नगरपालिक निगम महापौर मंजूषा भगत ने 25 वरिष्ठजनों को वस्त्र एवं फल वितरित किए। कार्यक्रम के दौरान मंत्री राजेश अग्रवाल ने वृद्धाश्रम में निवासरत वरिष्ठजनों से आत्मीयता के साथ संवाद किया और उनके स्वास्थ्य एवं कुशलक्षेम की जानकारी ली। उन्होंने अपने हाथों से वरिष्ठजनों को वस्त्र एवं फल प्रदान किए तथा उनके साथ समय बिताकर आशीर्वाद प्राप्त किया। मंत्री अग्रवाल ने कहा कि वरिष्ठजन हमारे मार्गदर्शक और पथप्रदर्शक हैं। उनके जीवन का अनुभव, संघर्ष और जीवन मूल्य समाज तथा नई पीढ़ी के लिए अमूल्य धरोहर हैं। उन्होंने कहा कि वरिष्ठजनों का सम्मान, उनकी सेवा और उनके साथ आत्मीयता से समय बिताना केवल सामाजिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हमारी मानवीय और नैतिक जिम्मेदारी भी है।

नक्सल मुक्त केसकोड़ी में वीबी-जीरामजी योजना से बना पहला बालिका शौचालय

रायपुर। कांकेर जिले के जनपद पंचायत कोयलीबेड़ा के नक्सल मुक्त ग्राम पंचायत केसकोड़ी में अब विकास की नई कहानी लिखी जा रही है। कभी नक्सल समस्या से प्रभावित रहे इस क्षेत्र में अब शिक्षा, स्वच्छता और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार की दिशा में कार्य किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में विकसित भारत - रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जीरामजी) योजना के अंतर्गत ग्राम पंचायत केसकोड़ी में पहला बालिका शौचालय निर्मित किया गया है। यह निर्माण बेटियों की गरिमा, स्वच्छता और विद्यालयों में सुरक्षित एवं सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश में संचालित 'मेरी बेटीङ्कमेरा अभिमान' अभियान के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों के शासकीय विद्यालयों में बालिकाओं के लिए शौचालयों का निर्माण किया जा रहा है। कांकेर जिले की नक्सल मुक्त पंचायत केसकोड़ी में निर्मित बालिका शौचालय इस अभियान को धरातल पर उतारने का उदाहरण है। इससे विद्यालय में अध्ययनरत बालिकाओं को स्वच्छता संबंधी आवश्यक सुविधा उपलब्ध होगी। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने 6 अगस्त 2026 को 'मेरी बेटीङ्कमेरा अभिमान' अभियान का शुभारंभ किया था। यह विशेष अभियान 15 अगस्त 2026 से 26 जनवरी 2027 तक संचालित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों के शासकीय विद्यालयों में 286.85 करोड़ रुपए की लागत से 6,671 बालिका शौचालयों का निर्माण किया जाना है। उप मुख्यमंत्री एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री विजय शर्मा ने कहा कि 'मेरी बेटी-मेरा अभिमान' अभियान का उद्देश्य गांव की हर बेटी को विद्यालय में सम्मानजनक और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना है।

सेवा और समर्पण से ही सशक्त समाज का निर्माण : मुख्यमंत्री

समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले नागरिकों, पुलिस, सेना, अर्धसैनिक बलों एवं समाजसेवियों का मुख्यमंत्री ने किया सम्मान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर । मुख्यमंत्री विष्णु देव साय राजधानी रायपुर के सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित अंत्योदय सेवा वंदन पर्व, 'अनकही कहानियां' सांस्कृतिक प्रस्तुति एवं वीरगाथा सम्मान समारोह में शामिल हुए। कार्यक्रम में सेवा, समर्पण, साहस और सामाजिक उत्तरदायित्व की प्रेरक कहानियों को विभिन्न प्रस्तुतियों के माध्यम से मंच पर जीवंत किया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन और सेवाभाव पर केंद्रित 'नमो सेवा गाथा' का भी मंचन किया गया।

मुख्यमंत्री साय ने कार्यक्रम में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले नागरिकों के साथ पुलिस, सेना, अर्धसैनिक बलों, नागरिक सेवाओं तथा सामाजिक क्षेत्र से जुड़े सेवाभावी व्यक्तियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि समाज और राष्ट्र की सेवा में निष्ठापूर्वक योगदान देने वाले लोगों का सम्मान नई पीढ़ी को भी सेवा और कर्तव्य के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि अंत्योदय का भाव हमारी विकास यात्रा का मूल आधार है। समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक

शासन की योजनाओं और सुविधाओं का लाभ पहुंचाना तथा उसके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाना हमारी प्राथमिकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के संकल्प के साथ देश आगे बढ़ रहा है। छत्तीसगढ़ में भी इसी भावना के अनुरूप जनकल्याण और विकास के कार्यों को गति दी जा रही है। उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से समाज के प्रत्येक वर्ग को सेवा कार्यों से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। स्वच्छता, स्वास्थ्य, रक्तदान, पर्यावरण संरक्षण और जरूरतमंदों की सहायता जैसे कार्यों में बढ़ती जनभागीदारी इस अभियान को जनआंदोलन का स्वरूप दे रही है।

रायपुर शहर के साथ ही आरंग, अभनपुर, धरसींवा और खरोरा क्षेत्र के कलाकारों ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की। विविध अंचलों से आए कलाकारों की प्रस्तुतियों ने अंत्योदय सेवा वंदन पर्व को छत्तीसगढ़ की लोककला, प्रतिभा और सामाजिक सहभागिता का व्यापक मंच बना दिया।

लोककला और देशभक्ति के रंगों से सजा मंच

अंत्योदय सेवा वंदन पर्व में छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकसंस्कृति और देशभक्ति का सुंदर संगम देखने को मिला। कलाकारों ने लोकगीत, जसगीत, भजन, राउत नाचा और पारंपरिक समूह नृत्यों के साथ बांसुरी वादन तथा नाट्य प्रस्तुतियों के माध्यम से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़ी महिलाओं ने लोकगीत एवं समूह नृत्य प्रस्तुत कर छत्तीसगढ़ की लोकपरंपराओं की जीवंत झलक दिखाई। दिव्यांग विद्यालय के बच्चों ने देशभक्ति समूह गीत प्रस्तुत कर अपनी प्रतिभा और आत्मविश्वास से सभी का मन मोह लिया। श्रम विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा विभिन्न समूहों से जुड़े प्रतिभागियों ने भी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। स्वच्छता के संदेश पर आधारित विशेष सांस्कृतिक प्रस्तुति के माध्यम से स्वच्छ और स्वस्थ समाज के निर्माण का संदेश दिया गया। अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी शमा अंजुम की उपस्थिति भी विशेष रही। 'हमार संगी-साथी' नुक्कड़ नाटक के माध्यम से सामाजिक संदेश दिया गया।

मुख्यमंत्री ने तीन नवाचारों का किया शुभारंभ

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इस अवसर पर रायपुर जिला प्रशासन के तीन नवाचारों- 'प्रोजेक्ट राहत', 'प्रोजेक्ट ध्वस्त' और **Advance AI** - 'ताकत है MY' का शुभारंभ किया। 'प्रोजेक्ट राहत' के माध्यम से प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित लोगों को आरबीसी 6(4) के अंतर्गत दी जाने वाली राहत राशि की प्रक्रिया को अधिक त्वरित और प्रभावी बनाने की पहल की गई है, ताकि आपदा की स्थिति में प्रभावित परिवारों तक समय पर सहायता पहुंच सके। 'प्रोजेक्ट ध्वस्त' के अंतर्गत जिले में जर्जर एवं असुरक्षित भवनों की पहचान कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने की पहल की गई है। इसका उद्देश्य दुर्घटनाओं की आशंका को कम करते हुए नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इसी प्रकार,स्त्र1ड्डठ्ठष्द्गद्ब - 'ताकत है रूड्ड' के माध्यम से आधुनिक तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग से प्रशासनिक कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी एवं जनोन्मुखी बनाने की दिशा में पहल की गई है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इन नवाचारों की सराहना करते हुए कहा कि तकनीक और नवाचार का वास्तविक उद्देश्य तभी पूरा होता है, जब उससे आम नागरिकों को सुविधाएं तेजी और सरलता से मिलें। सुशासन का अर्थ केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उन्हें अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी ढंग से पहुंचाना भी है।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में सम्मानित सभी नागरिकों, जवानों, समाजसेवियों और प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनकी सेवा, साहस और समर्पण की कहानियां समाज के लिए प्रेरणा हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सेवा संकल्प अभियान प्रदेश में जनसेवा और सामाजिक सहभागिता की भावना को और व्यापक बनाएगा।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री अरुण साव, मंत्री टंकराम वर्मा, राज्यसभा सांसद श्रीमती लक्ष्मी वर्मा, विधायक अनुज शर्मा, छत्तीसगढ़ फिल्म विकास निगम की अध्यक्ष सुश्री मोना सेन सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी, समाजसेवी, कलाकार एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

राज्यपाल डेका सुभाषचंद्र बोस बायोटेक्नोलॉजी इन्क्यूबेशन सेंटर का लोकार्पण करेंगे

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में जैव-प्रौद्योगिकी अनुसंधान, नवाचार, स्टार्टअप विकास और युवा उद्यमिता को बढ़ावा देने की दिशा में छत्तीसगढ़ बायोटेक प्रमोशन सोसाइटी द्वारा इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के सहयोग से स्थापित 'सुभाष चंद्र बोस बायोटेक्नोलॉजी इनक्यूबेशन सेंटर' के अत्याधुनिक केंद्र का उद्घाटन 28 सितंबर 2026 को राज्यपाल रामेन डेका द्वारा किया जाएगा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और कृषि मंत्री रामविचार नेताम भी मौजूद रहेंगे। इसके साथ ही 28-30 सितंबर 2026 तक कृषि मंडपम, रायपुर में 'छत्तीसगढ़ यूथ इनोवेशन एंड

एंटरप्रेन्योरशिप कॉन्क्लेव 2026' का आयोजन होगा। दो एकड़ क्षेत्र में विकसित यह केंद्र जैव-प्रौद्योगिकी अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता के लिए एक समर्पित मंच के रूप में कार्य करेगा। यहां हाई-टेक एवं अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं, ठैस-3 सुविधा, आधुनिक एनालिटिकल एवं टेस्टिंग सुविधाएं, किट एवं तकनीक विकास इकाइयां, वेस्ट ट्रीटमेंट सिस्टम तथा को-वर्किंग एवं इनक्यूबेशन स्पेस उपलब्ध हैं। केंद्र का उद्देश्य 'लैब से टेक्नोलॉजी और टेक्नोलॉजी से उद्यम' की यात्रा को सहयोग देना है। एग्री-बायोटेक्नोलॉजी, बायोफर्टिलाइजर एवं बायोकंट्रोल एजेंट्स, हेल्थ एवं डायग्नोस्टिक्स, फूड बायोटेक्नोलॉजी, पर्यावरणीय जैव-प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाले स्टार्टअप्स, शोधकर्ताओं और उद्यमियों को प्रयोगशाला सुविधाएं, प्रशिक्षण, मेंटरिंग, परीक्षण एवं तकनीकी मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा।

केंद्र युवा वैज्ञानिकों, शोधार्थियों, विद्यार्थियों, नए स्नातकों और उभरते उद्यमियों को अपने बायोटेक्नोलॉजी आधारित विचारों को विकसित कर उत्पाद, तकनीक और उद्यम में बदलने के लिए आवश्यक मंच और सुविधाएं प्रदान करेगा। इसका उद्देश्य युवाओं को नवाचारकर्ता और रोजगार सृजक बनने के लिए प्रोत्साहित करना है। कॉन्क्लेव का आयोजन सीबीपीएस एवं आईजीकेव्ही द्वारा आईआईटी भिलाई, एनआईटी रायपुर, आईआईआईटी नया रायपुर, नाबार्ड तथा सीजीकास्टके सहयोग से किया जा रहा है।

बस्तर में 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत 'आंगन मिलन सेवा' आयोजित

रायपुर। बस्तर जिले में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक संचालित किए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शुक्रवार को बस्तर जिले की सभी 9 बाल विकास परियोजनाओं के तहत आने वाले 305 आंगनबाड़ी केंद्रों में इस वृहद कार्यक्रम का आयोजन प्रस्तावित था, किंतु क्षेत्र में हुई अत्यधिक वर्षा के चलते यह केवल 07 आंगनबाड़ी केंद्रों में ही आयोजित किया जा सका। प्रतिकूल मौसम के बावजूद इन 7 केंद्रों में कुल 217 प्रतिभागियों ने सक्रिय सहभागिता दर्ज की। कार्यक्रम के दौरान उन जागरूक माताओं की विशेष सराहना की गई जिन्होंने 'महतारी वंदन योजना' से प्राप्त आर्थिक सहायता का उपयोग अपने और अपने बच्चों के पोषण स्तर को बेहतर बनाने के लिए किया। जिले भर में ऐसी 19 जागरूक माताओं को विभाग द्वारा पोषण शक्ति सम्मान से नवाजा गया। इसके साथ ही केंद्रों में गर्भवती महिलाओं, माताओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य की गहन जांच कर उन्हें आवश्यक टीके लगाए गए। पौष्टिक थाली और स्थानीय पौष्टिक व्यंजनों को तैयार करने की विधियों का जीवंत प्रदर्शन भी किया गया।

सड़कों, पुलों और भवनों के काम को मिलेगी रफ्तार वर्किंग सीजन का पूरा उपयोग करने पीडब्लूडी तैयार

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। लोक निर्माण विभाग बरसात के बाद सडकों, पुल-पुलियों और भवनों के निर्माण को रफ्तार देने की तैयारी में है। लोक निर्माण विभाग के सचिव मुकेश कुमार बंसल ने आज वरिष्ठ विभागीय अधिकारियों और सभी परिक्षेत्रों के मुख्य अभियंताओं, अधीक्षण अभियंताओं एवं कार्यपालन अभियंताओं की बैठक लेकर फील्ड में कार्यों को गति देने की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने ठेकेदारों के साथ भी बैठक कर निर्माण सामग्री, मशीनरी और मानव संसाधन की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

लोक निर्माण विभाग के सचिव ने नवा रायपुर स्थित निर्माण भवन में आयोजित बैठक में अक्टूबर से निर्माणाधीन कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाने और अप्रारंभ कामों को शुरू कराने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को कार्यस्थलों की समस्याओं का

तत्परता से निराकरण कर ठेकेदारों को बाधामुक्त कार्यस्थल उपलब्ध कराने को कहा। उन्होंने ठेकेदारों से नियमित संवाद और अच्छा समन्वय रखते हुए टाइमलाइन के अनुसार कार्यों की प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्यों में गुणवत्ता और समय-सीमा का विशेष ध्यान रखने को कहा। बंसल ने सभी कार्यपालन अभियंताओं को हर दो महीने में अनुविभागीय अधिकारियों, सहायक अभियंताओं, उप अभियंताओं और ठेकेदारों के साथ बैठक कर प्रगति की समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने विभाग के सिविल और विद्युत-यांत्रिकी शाखा के अभियंताओं को आपसी तालमेल से काम करने को कहा। दोनों शाखाओं के बीच समन्वय की कमी से कार्यों की प्रगति प्रभावित नहीं होना चाहिए। उन्होंने एनआईटी तैयार करते समय कार्य पूरा करने की अवधि को व्यावहारिक रखने के निर्देश दिए। उन्होंने ठेकेदारों द्वारा किए जा रहे कार्यों का मूल्यांकन कर हर महीने भुगतान करने को कहा। लोक निर्माण विभाग के सचिव बंसल ने ठेकेदारों के साथ भी बैठक कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने निर्माण कार्यों में तेजी लाने और विभिन्न प्रक्रियाओं में लगने वाले समय को कम करने विभागीय दिशा-निर्देशों, भुगतान प्रक्रिया, समय-सीमा निर्धारण और ठेकेदारों से जुड़े नीतिगत विषयों पर सुझाव भी मांगे।

विभागीय सचिव ने कहा कि लोक निर्माण विभाग के कार्यों में ठेकेदारों की अहम भूमिका है। उन्होंने ठेकेदारों को 1 अक्टूबर से शुरू हो रहे नए टेंडर सिस्टम में नामांकन कराने और इसके लिए विभाग द्वारा दिए जा रहे प्रशिक्षण में भाग लेने को कहा। उन्होंने ठेकेदारों को अपने पास उपलब्ध संसाधनों और क्षमता के अनुसार काम लेने को कहा। उन्होंने ठेकेदारों द्वारा किए जा रहे कार्यों की गति बढ़ाने और गुणवत्ता पर भी जोर दिया। लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता वी.के. भतपहरी, अपर सचिव एस.एन. वास्तव और सीजीआरआईडीसी के अतिरिक्त प्रबंध संचालक शशांक पाण्डेय भी बैठक में मौजूद थे।

स्वच्छता को आदत बनाएं, तभी शहर होंगे स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ : अरुण साव

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। शहर को हमेशा साफ-सुथरा रखने और सुंदर बनाने का संदेश देने स्वच्छता ही सेवा और सेवा संकल्प अभियान के तहत जनप्रतिनिधियों से लेकर प्रशासनिक अधिकारी, नगर निगम की टीम, ग्रीन आर्मी, स्वयंसेवी व सामाजिक संगठन और नागरिक एक साथ श्रमदान के लिए उतरे। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने खुद अभियान में सहभागिता करते हुए लोगों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि स्वच्छता को केवल अभियान तक सीमित नहीं रखा जा सकता। इसे दैनिक जीवन की आदत बनाना होगा, तभी हमारे शहर स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ बनेंगे।

रायपुर के मठपारा स्थित महाराजबंध तालाब में आयोजित अभियान में उप मुख्यमंत्री साव के साथ राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा, विधायक सुनील सोनी, मोतीलाल साहू, पुरंदर मिश्रा, महापौर मीनल चौबे, महंत रामसुंदर दास, कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह, नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा, जिला

पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन और सूडा के सीईओ सुमित अग्रवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक शामिल हुए।

श्रमदान के दौरान सभी ने मिलकर महाराजबंध तालाब परिसर से कचरा और गंदगी साफ की। लोगों को तालाबों और जलस्रोतों को स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित करते हुए तालाब में कचरा नहीं डालने और सार्वजनिक स्थलों की साफ-सफाई बनाए रखने का संदेश दिया गया। अभियान ने शहर की स्वच्छता को केवल नगर निगम या सफाई कर्मियों की जिम्मेदारी मानने के बजाय जनभागीदारी से आगे बढ़ाने का संदेश दिया।

उप मुख्यमंत्री साव ने जनसमुदाय को स्वच्छता की शपथ दिलाते हुए इसे जीवन-शैली का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता की कोशिश तभी स्थायी और प्रभावी होगी, जब हर नागरिक अपने आसपास सफाई रखने को अपनी आदत और जिम्मेदारी बनाए। शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने के लिए सरकार की लगातार कोशिशों के साथ नागरिकों की सक्रिय भागीदारी भी जरूरी है।

विधायक सुनील सोनी ने सेवा, सहभागिता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना के साथ स्वच्छता अभियानों में अधिक से अधिक लोगों से जुड़ने का आह्वान किया। अतिथियों ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का भी संदेश दिया। स्वच्छता के साथ पर्यावरण संरक्षण को जोड़ते हुए लोगों ने शहर को स्वच्छ, सुंदर और हरित बनाने का संकल्प लिया।

अब 'फिट इंडिया-फिट जशपुर' के तहत होगा वॉकाथॉन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 'सेवा मेरा योगदान' पहल के तहत जशपुर में स्वस्थ जीवनशैली, स्वच्छता और नशामुक्ति का संदेश देने के लिए बालाजी मंदिर के समीप नवीन सामुदायिक भवन में जिला प्रशासन एवं आयुष विभाग के संयुक्त तत्वावधान में योग एवं ध्यान सत्र आयोजित किया गया। योगाचार्यों के मार्गदर्शन में विधायकों, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों-कर्मचारियों और नागरिकों ने सामूहिक योगाभ्यास एवं ध्यान किया। इस अवसर पर नशामुक्त भारत के निर्माण का सामूहिक संकल्प भी लिया गया।

कार्यक्रम में विधायक गोमती साय एवं रायमुनी भगत, छत्तीसगढ़ माटी कला बोर्ड के अध्यक्ष शंभूनाथ चक्रवर्ती, नगर पालिका

अध्यक्ष अरविंद भगत, जनपद पंचायत अध्यक्ष गंगाराम भगत, कलेक्टर रोहित व्यास, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक शामिल हुए।

योगाचार्य कृपाशंकर यादव एवं अन्य योग प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में प्रतिभागियों ने ध्यान के साथ पद्मासन, सर्वांगासन, मंडूकासन, वज्रासन, भुजंगासन और दंडासन सहित विभिन्न योगासनों का अभ्यास किया। योग प्रशिक्षकों ने आसनों के शारीरिक एवं मानसिक लाभों की जानकारी देते हुए नियमित योग और ध्यान को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया।

विधायक श्रीमती रायमुनी भगत ने कहा कि 'सेवा मेरा योगदान' हमें समाज और देश के लिए अपनी भूमिका निभाने की प्रेरणा देता है। सेवा केवल किसी व्यक्ति की सहायता तक सीमित नहीं है, स्वच्छता भी सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम है।

स्वस्थ रहने के लिए जिस प्रकार योग और ध्यान आवश्यक हैं, उसी तरह स्वस्थ जीवन के लिए स्वच्छ वातावरण भी जरूरी है। उन्होंने नागरिकों से सार्वजनिक एवं निजी स्थानों को अपना समझकर स्वच्छ रखने और सड़कों एवं सार्वजनिक स्थलों पर कचरा नहीं फेंकने की अपील की।

उन्होंने कहा कि जशपुर प्राकृतिक सौंदर्य, पहाड़ों, जलस्रोतों और पर्यटन स्थलों से समृद्ध है। इन्हें स्वच्छ और सुरक्षित रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। विकसित भारत के निर्माण में समाज के प्रत्येक वर्ग की सहभागिता जरूरी है। उन्होंने नागरिकों से परिवार सहित फिट इंडिया अभियान से जुड़ने का आह्वान किया।

सेवा संकल्प अभियान के तहत मोहला में मेगा स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के जिला मुख्यालय मोहला में मेगा स्वास्थ्य शिविर एवं दिव्यांगजनों के लिए विशेष मेडिकल बोर्ड शिविर का आयोजन किया गया। समाज कल्याण एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित इन शिविरों के माध्यम से नागरिकों को स्वास्थ्य जांच, उपचार संबंधी परामर्श और शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया गया। शिविर में दिव्यांगजनों के प्रमाणपत्र एवं यूडीआईडी कार्ड बनाने के साथ ही पात्र हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड, टीबी मरीजों को पोषण आहार तथा बुजुर्गों को सहायक उपकरण प्रदान किए गए।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोहला में आयोजित विशेष जिला मेडिकल बोर्ड शिविर में लगभग 51 नागरिकों ने सहभागिता की। चिकित्सा विशेषज्ञों द्वारा दिव्यांगजनों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं दिव्यांगता का आकलन किया गया।

परीक्षण के उपरांत पात्र हितग्राहियों के दिव्यांग प्रमाणपत्र एवं यूडीआईडी कार्ड तैयार करने की प्रक्रिया पूरी की गई। शिविर के माध्यम से कुल 34 हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। इनमें 18 अस्थिबाधित, 4 श्रवण बाधित, 8 मानसिक रोग से प्रभावित, एक सिकल सेल तथा 3 लकवा से प्रभावित हितग्राही शामिल रहे। शिविर का उद्देश्य दिव्यांगजनों को उनके निवास क्षेत्र के समीप ही आवश्यक चिकित्सा परीक्षण और प्रमाणपत्र संबंधी सुविधाएं उपलब्ध कराना था।

गानों के जरिए कहानी कैसे आगे बढ़ती है, राजश्री में सीखा : शरवरी वाघ

अभिनेत्री शरवरी वाघ आगामी पारिवारिक ड्रामा फिल्म ये प्रेम मोल लिया की रिलीज के लिए तैयार हैं। अभिनेत्री ने बताया कि वे मशहूर गाने दीदी तेरा देवर दीवाना और मैया यशोदा देखते हुए बड़ी हुई हैं। अभिनेत्री ने सूरज बड़जात्या की आगाम फिल्म ये प्रेम मोल लिया के टाइटल ट्रेक लॉन्च इवेंट में कहा कि निर्देशक के साथ काम करना और ऐसे गानों के पीछे की सोच को समझना एक खास अनुभवों में से एक था।

शरवरी वाघ ने कहा कि वह इस अनुभव का हिस्सा बनकर खुद को बेहद आभारी और खुशकिस्मत महसूस कर रही हैं। उन्होंने शूटिंग के दौरान सूरज बड़जात्या के साथ अपनी बातचीत का एक किस्सा भी साझा किया। शरवरी ने कहा, जब भी हम गानों की शूटिंग करते थे, तो सूरज सर मुझे मैया यशोदा और दीदी तेरा देवर दीवाना जैसे गानों की शूटिंग के समय की कहानियां सुनाते थे और ये मेरा सबसे पसंदीदा समय हुआ करता था क्योंकि मैंने बचपन से ये सारे गाने देखे हैं। इन गानों के लिए दिल में बहुत प्यार है।

शरवरी ने बताया कि सूरज बड़जात्या ने उन गानों के कुछ बिहाइंड-द-सीन्स डिटेल्स भी उनके साथ शेयर किए, जिन्हें उन्होंने अपनी परफॉर्मेंस में शामिल करने की कोशिश की।

उन्होंने कहा, सूरज सर ने मुझे कुछ अंदर की जानकारी दी और फिर मैंने उसे अप्लाई करने की कोशिश की है।

एक्ट्रेस ने यह भी बताया कि गानों पर काम करने से उन्हें राजश्री के फिल्ममेकिंग स्टाइल की एक अलग समझ मिली। उन्होंने कहा, मुझे सच में लगता है कि यह पहली बार था जब मैंने देखा कि कोरियोग्राफी के अलावा, गानों में इतनी सारी चीजों का ध्यान रखना होता है, जैसे परिवार की भावनाएं, उनके साथ जो कनेक्शन बनता है, कहानी कैसे आगे बढ़ती है।

मुझे लगता है कि यह पहली बार था जब मैंने देखा कि गाने कैसे फिल्म को आगे ले जाते हैं, कैसे वे कहानी को आगे ले जाते हैं और यह मेरे लिए बहुत खास अनुभव था।

बता दें कि ये प्रेम मोल लिया में शरवरी वाघ, आयुष्मान खुराना और अनुपम खेर मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म 27 नवंबर को रिलीज होने वाली है।

पूजा मेरी जान का ट्रेलर जारी, एकतरफा प्यार और खौफ नाक अंजाम के बीच फंसी मृणाल ठाकुर

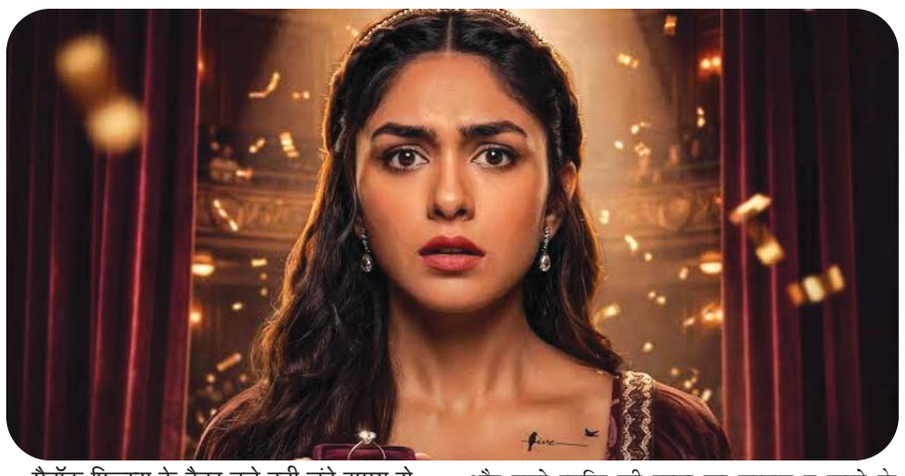

मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले बनी लंबे समय से चर्चित न्यायालय-कक्ष आधारित नाटकीय फिल्म 'पूजा मेरी जान' का आधिकारिक ट्रेलर जारी कर दिया गया है। मृणाल ठाकुर की मुख्य भूमिका वाली यह फिल्म एकतरफा प्यार, सनक, दबाव, असहमति को स्वीकार न करने की मानसिकता और उसके भयावह परिणामों को केंद्र में रखती है। फिल्म को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड की ओर से 'ए' प्रमाणपत्र दिया गया है।

फिल्म का निर्देशन नवजोत गुलाटी ने किया है। जारी किए गए ट्रेलर में पूजा नाम की युवती की जिंदगी में उस समय बड़ा बदलाव आता दिखाई देता है, जब एक अज्ञात और सनकी प्रशंसक उसका पीछा करना शुरू कर देता है। शुरुआत में दोनों के बीच दोस्ती होती है, लेकिन धीरे-धीरे यह रिश्ता भय और दबाव में बदल जाता है।

ट्रेलर के अनुसार, पूजा की जिंदगी में दाखिल हुआ युवक उस पर शादी के लिए दबाव बनाने लगता है। परिस्थितियां धीरे-धीरे इतनी गंभीर हो जाती हैं कि मामला जानलेवा मोड़ तक पहुंच जाता है। इसके बाद कहानी आरोप-प्रत्यारोप, कानूनी उलझनों और न्याय की तलाश के इर्द-गिर्द घूमती है।

फिल्म में एकतरफा प्यार को केवल प्रेम कहानी के रूप में नहीं, बल्कि जुनून, अधिकार जताने की प्रवृत्ति और दूसरे व्यक्ति की इच्छा का सम्मान न करने के गंभीर परिणामों के साथ प्रस्तुत किया गया है। ट्रेलर में कई ऐसे दृश्य दिखाई देते हैं, जो कहानी में रहस्य और तनाव को बढ़ाते हैं।

फिल्म में मृणाल ठाकुर के साथ विक्रम सिंह चौहान महत्वपूर्ण भूमिका में हैं। उनके अलावा हुमा कुरैशी और विजय राज भी फिल्म का हिस्सा हैं। मृणाल फिल्म में पूजा की भूमिका निभा रही हैं, जबकि विक्रम सिंह चौहान का किरदार पूजा की जिंदगी में परेशानी खड़ी करने वाले व्यक्ति के रूप में नजर आता है।

फिल्म को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड से 'ए' प्रमाणपत्र मिलने के बाद इसकी कहानी के गंभीर और संवेदनशील विषय को लेकर भी चर्चा है।

'पूजा मेरी जान' का निर्देशन नवजोत गुलाटी ने किया है और इसका निर्माण मैडॉक फिल्म्स ने किया है। यह फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज होने के बजाय सीधे जी5 पर प्रदर्शित की जाएगी। फिल्म 2 अक्टूबर, 2026 से दर्शकों के लिए उपलब्ध होगी।

ट्रेलर में दिखाई गई घटनाओं से संकेत मिलता है कि फिल्म एकतरफा प्यार और पीछा करने जैसी घटनाओं के सामाजिक और कानूनी पहलुओं को भी कहानी का हिस्सा बनाएगी। पूजा के साथ घटने वाली घटनाओं के बाद न्याय की उसकी लड़ाई फिल्म की कहानी का प्रमुख केंद्र बनने वाली है।

मेडिटेशन करना चाहते हैं? इन 5 तरीकों से शुरू करें साधारण मेडिटेशन की आदत

मेडिटेशन करना एक ऐसी आदत है, जो हमारे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद हो सकती है। इस लेख में हम आपको कुछ सरल और प्रभावी तरीके बताएंगे, जिनसे आप मेडिटेशन को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना सकते हैं और इसका पूरा लाभ उठा सकते हैं।

सुबह-सुबह मेडिटेशन करने की आदत डालें

सुबह का समय मेडिटेशन करने के लिए सबसे अच्छा माना जाता है। इस समय मन शांत होता है और आप आसानी से ध्यान लगा सकते हैं। सुबह उठते ही कुछ मिनट के लिए एक शांत जगह पर बैठें, अपनी आंखें बंद करें और गहरी सांस लें। धीरे-धीरे अपने सांस पर ध्यान केंद्रित करें और सोचें कि आप दिनभर की चुनौतियों से दूर हैं। यह प्रक्रिया आपके मन को शांत करेगी और पूरे दिन आपको ऊर्जा से भरपूर महसूस कराएगी।

एक तय समय निर्धारित करें

मेडिटेशन करने के लिए एक तय समय निर्धारित करना बहुत जरूरी है। इससे आपकी आदत बन जाएगी और आप इसे नियमित रूप से कर पाएंगे।

उदाहरण के लिए, अगर आप सुबह 10 मिनट मेडिटेशन करने का समय तय करते हैं तो रोजाना उसी समय पर बैठकर मेडिटेशन करें। धीरे-धीरे आप इसे बढ़ाकर 20-30 मिनट तक ले जा सकते हैं। इस तरह आपके शरीर और मन दोनों को इसकी आदत पड़ जाएगी और आपको इसके फायदे भी मिलेंगे।

सरल तरीकों का उपयोग करें

मेडिटेशन करने के लिए सरल तरीकों का उपयोग करें जैसे कि गहरी सांस लेना, मंत्र जाप करना या ध्यान केंद्रित करना। इन तरीकों से आप आसानी से ध्यान लगा सकते हैं और ज्यादा समय नहीं लगेगा। उदाहरण के लिए, गहरी सांस लेने के लिए नाक से गहरी सांस लें और मुंह से धीरे-धीरे छोड़ें। इसी तरह मंत्र जाप के लिए किसी सरल मंत्र का चयन करें और उसे बार-बार दोहराएं।

मोबाइल फोन से दूरी बनाएं

आजकल मोबाइल फोन हमारे जीवन का अहम हिस्सा बन गया है, जिससे मेडिटेशन करना मुश्किल हो जाता है। इसलिए मेडिटेशन करते समय मोबाइल फोन को अपने पास न रखें या उसे साइलेंट मोड पर रख दें ताकि आपकी एकाग्रता भंग न हो। अगर संभव हो तो मोबाइल फोन को किसी दूर जगह रख दें जहां से उसकी आवाज सुनाई न दे। इससे आपकी एकाग्रता बनी रहेगी और आप बेहतर तरीके से ध्यान लगा पाएंगे।

तापसी ने किया चौंकाने वाला खुलासा फिल्म से किया गया था रिप्लेस

तापसी पन्नू ने अपनी एक बातचीत के दौरान अपने साथ एक फिल्म की कास्टिंग को लेकर हुई घटना को याद किया। इसके साथ ही उन्होंने इसके पीछे के कारण पर भी चर्चा की। जानें क्या बोलीं तापसी?

अभिनेत्री तापसी पन्नू अपने बेबाक अंदाज के लिए जानी जाती हैं। इसके साथ ही अपने फिल्मी सफर को भी फैंस के साथ शेयर करती हैं। एक बातचीत के दौरान उन्होंने अपनी एक फिल्म के बारे में बातचीत की है, जिससे अकारण ही उन्हें निकाल दिया गया था।

उस घटना के बारे में क्या बोलीं तापसी?

तापसी पन्नू ने बॉलीवुड में बिना किसी मदद के अपनी एक अलग पहचान बनाई है। मगर नयनदीप रक्षित के पॉडकास्ट के दौरान उन्होंने अपने उस कड़वे अनुभव के बारे में बताया। उन्होंने कहा, मुझे बताया गया है कि फिल्म के हीरो ने मेरी जगह किसी और को कास्ट कर लिया।

कारण तो भगवान ही जाने। मैं तरह-तरह के कारण सोचती रहती हूं। मैं असुरक्षा की भावना समझ सकती हूं, मैं सोच सकती हूं कि वह किसी और को लेना चाहते थे, जिससे वह ज्यादा करीब हों। मैं कई कारण सोच सकती हूं, लेकिन मुझे कोई ठोस कारण नहीं बताया गया। मुझे बस इतना कहा गया कि वह मुझे फिल्म में नहीं लेना चाहता थे।'

आगे अपनी बातचीत में तापसी ने कहा, मुझे कहा गया कि हीरो की पत्नी मुझे पसंद नहीं करती। मुझे नहीं पता कि वो मुझे क्यों पसंद नहीं करती थी। हालांकि, तापसी ने अभिनेता या उनकी पत्नी का नाम नहीं लिया।

फिल्म इंडस्ट्री पर क्या बोलीं एक्ट्रेस

बीते दिनों अपने एक अलग इंटरव्यू में तापसी ने अपनी निर्माता और निर्देशकों के बारे में भी बात की थी। उन्होंने पीटीआई से हुई एक बातचीत में कहा, च्हर कोई अपने कम्फर्ट जोन में जा रहा है और आजमाए हुए तरीकों का इस्तेमाल कर रहा है।

उदाहरण के लिए, ग्लैमरस भूमिकाओं के लिए, उनके पास पांच अभिनेत्रियों का एक समूह होता है जिन्हें वे कास्ट कर सकते हैं, और गंभीर मुद्दों पर आधारित फिल्मों के लिए, उनके पास पांच अभिनेत्रियों का एक और समूह होता है। मैंने इसी वजह से फिल्में ठुकराना शुरू कर दिया है, निर्माताओं से कहती हूं कि दर्शक आसानी से क्लाइमेक्स का अनुमान लगा लेंगे।

फिल्म च्गांधारी में दिखीं थी तापसी

तापसी पन्नू को आखिरी बार फिल्म 'गांधारी' में देखा गया था। फिल्म का निर्देशन देवाशीष मखीजा ने किया है। फिल्म में श्वक सिंह और स्वास्तिका मुखर्जी भी हैं। छाया कदम को एक बार फिर दमदार अंदाज में देखा जा रहा है। फिल्म 03 सितंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी।

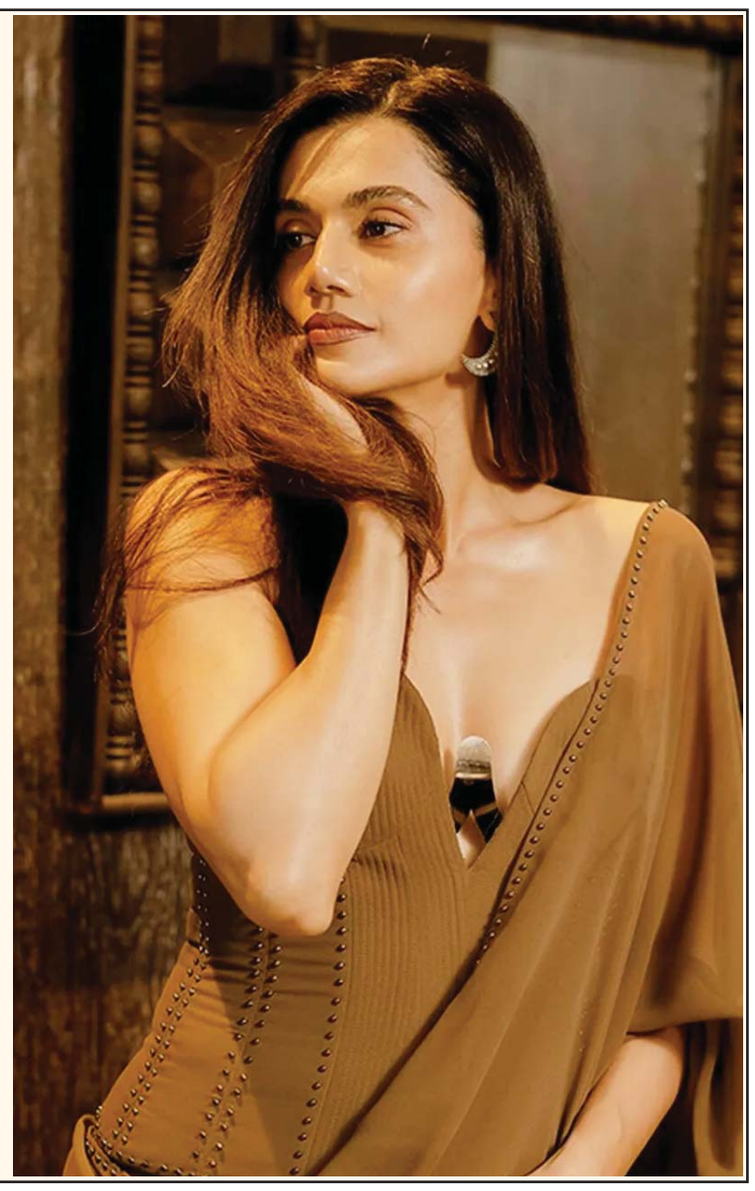

क्या आप हमेशा चिड़चिड़े रहते हैं? इन पांच तरीकों से खुद को रखें खुश

कई लोग खुद को हमेशा चिड़ा हुआ पाते हैं और ऐसा होने के पीछे कई कारण हो सकते हैं, जैसे कि तनाव, नींद की कमी या मानसिक स्वास्थ्य की समस्याएं। अगर आप हमेशा चिड़े रहते हैं तो इससे न केवल आपका दिन खराब होता है, बल्कि आपके आसपास के लोगों पर भी इसका असर पड़ता है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताते हैं, जिन्हें अपनाकर आप खुद को कम चिड़ा और अधिक खुश रख सकते हैं।

पर्याप्त नींद लें

पर्याप्त नींद लेना बहुत जरूरी है क्योंकि इससे आपका आत्मविश्वास बढ़ता है और आप अधिक सकारात्मक महसूस करते हैं। अगर आप ठीक से नहीं सोते हैं तो आपके मूड पर असर पड़ सकता है।

कोशिश करें कि आप रोजाना 7-8 घंटे की नींद लें। इसके अलावा सोने से पहले मोबाइल और टीवी देखने से बचें ताकि आपकी नींद में कोई रुकावट न हो।

नियमित नींद लेने से आपका शरीर और दिमाग तरोताजा रहता है।

नियमित एक्सरसाइज करें

नियमित एक्सरसाइज करने से आपका शरीर स्वस्थ रहता है और मन भी खुश रहता है। एक्सरसाइज करने से आपके शरीर में ऐसे रसायन उत्पन्न होते हैं, जो आपके मूड को बेहतर बनाते हैं। इससे आपका आत्मविश्वास बढ़ता है और आप अधिक सकारात्मक महसूस करते हैं।

रोजाना कम से कम 30 मिनट तक किसी न किसी एक्सरसाइज को जरूर करें, जैसे कि दौड़ना, साइकिल चलाना या योग करना। इससे आपका शरीर और दिमाग तरोताजा रहता है।

संतुलित आहार लें

संतुलित आहार लेने से आपका शरीर स्वस्थ रहता है और मन भी खुश रहता है। कोशिश करें कि आपके खाने में फल, सब्जियां, दालें और साबुत अनाज शामिल हों। तली-भुनी चीजें खाने से बचें क्योंकि इससे आपका मूड खराब हो सकता है। इसके अलावा पर्याप्त मात्रा में पानी पीना भी जरूरी है ताकि आपका शरीर तरोताजा रहे और थकान महसूस न हो। सही खान-पान से आपका शरीर और दिमाग तरोताजा रहता है।

मेडिटेशन करें

मेडिटेशन करने से आपका मन शांत होता है और आप अधिक सकारात्मक महसूस करते हैं। रोजाना कुछ मिनट मेडिटेशन करने से आपकी मानसिक स्थिति बेहतर होती है और आप चिड़चिड़ापन कम महसूस करते हैं। मेडिटेशन करने के लिए किसी शांत जगह पर बैठकर आंखें बंद करें और गहरी सांस लें।

अपने विचारों को नियंत्रित करने की कोशिश करें और केवल अपनी सांस पर ध्यान केंद्रित करें। इससे आपका मन शांत रहेगा और आप अधिक खुश महसूस करेंगे।

सकारात्मक सोच रखें

सकारात्मक सोच रखने से आपका आत्मविश्वास बढ़ता है और आप अधिक खुश महसूस करते हैं। नकारात्मक विचारों को दूर करने की कोशिश करें और हर स्थिति में अच्छे पहलुओं को देखें। खुद से सकारात्मक बातें कहें जैसे मैं सक्षम हूं, मुझे सब कुछ अच्छा लगेगा आदि। इससे आपका मूड बेहतर होगा और आप चिड़चिड़ापन कम महसूस करेंगे। सकारात्मक सोच रखने से आपका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा और आप जीवन में नई चुनौतियों का सामना कर सकेंगे।

'आग भी दिलों की जान भी', भंसाली की फिल्म से रिलीज हुआ आलिया भट्ट का पहला लुक

फिल्म 'लव एंड वॉर' से आलिया भट्ट का लुक सामने आया है। इस पोस्टर में एक्ट्रेस काफी अलग अंदाज में नजर आ रही हैं। वहीं पोस्टर के साथ मेकर्स का कैप्शन फिल्म में उनके किरदार के बारे में काफी कुछ बता रहा है। संजय लीला भंसाली फिल्म 'लव एंड वॉर' का दूसरा पोस्टर रिलीज हो चुका है।

फिल्म के पहले लुक में जहां रणबीर कपूर की झलक सामने आई थी। वहीं फिल्म से आलिया भट्ट का लुक सामने आया है। मेकर्स ने आलिया के दो पोस्टर रिलीज कर फैंस का उनके किरदार से परिचय कराया है। पोस्टर में वह अपनी सभी फिल्मों के लुक्स के बेहद अलग दिखाई दे रही हैं।

रेट्रो लुक में दिखीं आलिया भट्ट

फिल्म 'लव एंड वॉर' में आलिया भट्ट का लुक काफी ग्लैमरस दिखाई दे रहा है। इस पोस्टर में उन्हें कुर्सी पर अदाओं के साथ बैठे हुए दिखाया गया है। वहीं उनके बैकग्राउंड में पुराने दौर का क्लब दिख रहा है, जहां एक स्टेज के आस पर कई लोग खड़े हुए हैं। पोस्टर को देखते हुए लग रहा है कि उनका किरदार किसी कैबरे डांसर का हो सकता है। इसके पोस्टर के साथ मेकर्स ने कैप्शन में 'आग भी, दिलों की जान भी' लिखा है। इससे पता चल रहा है कि फिल्म में उनका किरदार लोगों के बीच काफी मशहूर है।

यह फिल्म हिंदी के अलावा तमिल और तेलुगु में भी रिलीज होने वाली है। फिल्म 21 जनवरी 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

खास-खबर

हुनर से आत्मनिर्भर बनीं उर्मिला, बुटीक शुरू कर अब दूसरों को भी दे रहीं रोजगार

रायपुर। हुनर को जब प्रशिक्षण और अवसर का साथ मिलता है, तो वह आत्मनिर्भरता के साथ दूसरों के लिए भी रोजगार की राह खोल सकता है। सूरजपुर जिले के ग्राम राजापुर, पोस्ट साल्ही की उर्मिला सिंह ने कौशल प्रशिक्षण से मिले हुनर को अपनी आजीविका का आधार बनाकर इसे साबित किया है। छह माह का प्रशिक्षण लेने के बाद उर्मिला ने अम्बिकापुर में अपना बुटीक शुरू किया। आज वे स्वयं प्रतिमाह 12 से 15 हजार रुपये तक की आमदनी कर रही हैं, दो लोगों को रोजगार दे रही हैं और चार-पांच लोगों को सिलाई का प्रशिक्षण भी दे रही हैं। उर्मिला बताती हैं कि उनके माता-पिता खेती-बाड़ी करते हैं। उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा गांव में ही पूरी की और इसके बाद सूरजपुर से कॉलेज की पढ़ाई की। पढ़ाई पूरी होने के बाद उन्हें कौशल विकास के तहत प्रशिक्षण की जानकारी मिली।

प्रकृति जागरूकता व पर्यावरण संरक्षण पर कार्यशाला

बेमेतरा। शासकीय नवीन महाविद्यालय बेरला में विद्यार्थियों में प्रकृति, जैव विविधता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता विकसित करने के उद्देश्य से नागरिक विज्ञान: प्रकृति जागरूकता एवं पर्यावरण संरक्षण विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला शासकीय पॉलीटेक्निक बेरला के नेचर क्लब के सहयोग से आयोजित की गई। कार्यशाला में मुख्य वक्ता नरेंद्र वर्मा द्वारा विद्यार्थियों को **iNaturalist, eBird** एवं **Season Watch** जैसे महत्वपूर्ण **Citizen Science** प्लेटफॉर्म्स की व्यावहारिक जानकारी दी गई। कैसे इन डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से अपने आसपास की वनस्पतियों, पक्षियों, जीव-जंतुओं और मौसमी बदलावों का अवलोकन कर वैज्ञानिक तरीके से दस्तावेजीकरण किया जा सकता है।

श्रमिकों को अब मिलेगा क्यूआर कोड आधारित पंजीयन आईडी कार्ड

महासमुंद। विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर 17 सितंबर 2026 को आयोजित श्रमिक महासम्मेलन में श्रम मंडल अंतर्गत श्रमिकों के लिए नवीन पंजीयन व्यवस्था का शुभारंभ किया गया। नवीन व्यवस्था के तहत अब पूर्व पंजीयन कार्ड के स्थान पर क्यूआर कोड आधारित पंजीयन आईडी कार्ड जनरेट किया जाएगा। श्रम पदाधिकारी ने बताया कि नवीन व्यवस्था के अंतर्गत पंजीकृत श्रमिक अपनी सुविधा के अनुसार क्यूआर कोड युक्त पंजीयन आईडी कार्ड का पीवीसी फॉर्मेट में प्रिंट करा सकेंगे। क्यूआर कोड के माध्यम से श्रमिक के पंजीयन एवं पात्रता से संबंधित जानकारी आसानी से प्राप्त की जा सकेगी। साथ ही, श्रमिक अपनी पात्रता के अनुसार मंडल द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी प्राप्त कर सकेंगे।

विकास यात्रा में नया अध्याय, रावघाट तक पहुंची रेल पटरी : मुख्यमंत्री

दल्लीराजहरा-रावघाट रेल परियोजना के अंतिम ताड़ोकी-रावघाट खंड का कार्य पूरा, मुख्यमंत्री ने बताया ऐतिहासिक उपलब्धि

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। दक्षिण छत्तीसगढ़ के दूरस्थ अंचलों को देश के व्यापक रेल नेटवर्क से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। दल्लीराजहरा-रावघाट नई रेल लाइन परियोजना के अंतिम 17.5 किलोमीटर लंबे ताड़ोकी-रावघाट खंड का कार्य पूरा हो गया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इसे दक्षिण छत्तीसगढ़ और विशेष रूप से बस्तर अंचल की विकास यात्रा में महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा कि रावघाट तक रेल पटरी पहुंचना केवल रेल कनेक्टिविटी का विस्तार नहीं, बल्कि दूरस्थ अंचलों में विकास और आर्थिक गतिविधियों के विस्तार की दिशा में बड़ा कदम है।

मुख्यमंत्री साय ने इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के प्रति प्रदेशवासियों की ओर से आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में रेल अधोसंरचना के विस्तार को अभूतपूर्व गति मिली है। केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों को भी आधुनिक कनेक्टिविटी से जोड़ने का कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि दल्लीराजहरा से रावघाट तक रेल संपर्क का विस्तार इस अंचल के सामाजिक और आर्थिक जीवन में महत्वपूर्ण परिवर्तन लाने वाला सिद्ध होगा। बेहतर रेल कनेक्टिविटी से स्थानीय नागरिकों के लिए आवागमन सुगम होगा और राजधानी रायपुर सहित देश के विभिन्न हिस्सों तक पहुंच बेहतर होगी। इससे शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, रोजगार और व्यापार से जुड़े अवसरों तक क्षेत्रवासियों की पहुंच और आसान होगी।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार का स्पष्ट संकल्प है कि प्रदेश के दूरस्थ से दूरस्थ क्षेत्र को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जाए। सड़क, रेल, हवाई और डिजिटल कनेक्टिविटी का विस्तार विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण का महत्वपूर्ण आधार है। बस्तर सहित दक्षिण छत्तीसगढ़ में मजबूत होती कनेक्टिविटी क्षेत्र की संभावनाओं को नई शक्ति दे रही है।

95 किलोमीटर की परियोजना का अंतिम 17.5 किलोमीटर खंड तैयार

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर मंडल के अंतर्गत दल्लीराजहरा-रावघाट नई रेल लाइन परियोजना की कुल लंबाई 95 किलोमीटर है। इसके अंतिम 17.5 किलोमीटर लंबे ताड़ोकी-रावघाट खंड का कार्य पूरा कर लिया गया है। यह सिंगल लाइन विद्युतीकृत ब्रॉड गेज रेल खंड है। नई रेल लाइन को परिचालन के लिए तैयार करने की निर्धारित प्रक्रिया के अंतर्गत इस खंड का रेलवे सुरक्षा आयुक्त (ष्ट्रक्र) द्वारा निरीक्षण एवं गति परीक्षण किया गया है। इस दौरान रेल लाइन, पुल-पुलियों, विद्युतीकरण, सिग्नलिंग सहित सुरक्षा और तकनीकी व्यवस्थाओं की जांच की गई। वर्तमान में दल्लीराजहरा से ताड़ोकी तक रेल सेवाएं उपलब्ध हैं। ताड़ोकी-रावघाट खंड में रेल परिचालन प्रारंभ होने के बाद आसपास के क्षेत्रों की रेल कनेक्टिविटी और मजबूत होगी।

पर्यटन, निवेश और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मिलेगा प्रोत्साहन

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि किसी भी क्षेत्र में बेहतर कनेक्टिविटी अपने साथ विकास की अनेक संभावनाएं लेकर आती है। रावघाट तक रेल संपर्क से क्षेत्र में पर्यटन और निवेश की संभावनाओं को बल मिलेगा तथा स्थानीय व्यापार एवं अन्य आर्थिक गतिविधियों का विस्तार होगा।

दूरस्थ और ग्रामीण क्षेत्रों को व्यापक रेल नेटवर्क से जोड़ने से लोगों के लिए बाजारों तक पहुंच आसान होगी। साथ ही क्षेत्र में रोजगार और स्वरोजगार की नई संभावनाओं के सृजन में भी यह रेल परियोजना महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर और दक्षिण छत्तीसगढ़ प्राकृतिक संसाधनों, पर्यटन, कृषि एवं वनोपज की दृष्टि से अपार संभावनाओं वाला क्षेत्र है। बेहतर कनेक्टिविटी इन संभावनाओं को वास्तविक आर्थिक अवसरों में बदलने का माध्यम बनेगी।

विकास और कनेक्टिविटी से बदल रही दक्षिण छत्तीसगढ़ की तस्वीर: मुख्यमंत्री साय ने कहा कि दक्षिण छत्तीसगढ़ में शांति, सुरक्षा और विकास के साथ आधारभूत अधोसंरचना का तेजी से विस्तार किया जा रहा है। जिन क्षेत्रों में कभी आवागमन कठिन था, वहां आज सड़क, रेल और संचार नेटवर्क का विस्तार हो रहा है। सरकार का प्रयास है कि विकास की सुविधाएं अंतिम छोर पर बसे व्यक्ति तक पहुंचें और उसे शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार तथा आर्थिक प्रगति के समान अवसर मिलें। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि रावघाट तक पहुंची रेल पटरी विकास की पटरी पर तेजी से आगे बढ़ते छत्तीसगढ़ की तस्वीर है। यह रेल लाइन दक्षिण छत्तीसगढ़ की दूरियां कम करने के साथ यहां के लोगों को अवसरों के और करीब लाएगी। आने वाले समय में बेहतर कनेक्टिविटी के माध्यम से इस पूरे अंचल की आर्थिक और सामाजिक प्रगति को नई गति मिलेगी। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प के अनुरूप राज्य सरकार विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है। आधुनिक और मजबूत रेल अधोसंरचना इस संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

राजभाषा आयोग के अध्यक्ष प्रभात मिश्रा ने मुख्यमंत्री साय से की भेंट

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ी भाषा, साहित्य और राजभाषा के विकास को समर्पित दो दिवसीय प्रांतीय राजभाषा सम्मेलन का आयोजन 26 एवं 27 सितंबर को जिला बेमेतरा में किया जाएगा। सम्मेलन में प्रदेशभर के साहित्यकारों, विद्वानों, भाषा विशेषज्ञों और राजभाषा से जुड़े प्रतिनिधियों की सहभागिता होगी। सम्मेलन के माध्यम से छत्तीसगढ़ी भाषा के संरक्षण, संवर्धन और व्यापक प्रचार-प्रसार के साथ प्रदेश की समृद्ध साहित्यिक एवं सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के अध्यक्ष एवं राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त प्रभात मिश्रा ने आज मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से सौजन्य भेंट की। उन्होंने मुख्यमंत्री साय को

बेमेतरा में आयोजित होने वाले प्रांतीय राजभाषा सम्मेलन में शामिल होने के लिए सादर आमंत्रित किया। इस दौरान श्री मिश्रा ने सम्मेलन के उद्देश्यों, आयोजन की तैयारियों और कार्यक्रम की रूपरेखा से मुख्यमंत्री को अवगत कराया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रांतीय राजभाषा सम्मेलन के आयोजन के लिए प्रभात मिश्रा एवं छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सम्मेलन की सफलता के लिए अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए आयोजन के सफल एवं गरिमामय आयोजन की कामना की।

बेमेतरा में आयोजित होने वाला यह सम्मेलन छत्तीसगढ़ी भाषा और साहित्य से जुड़े रचनाकारों, साहित्यकारों तथा विद्वानों को एक साझा मंच प्रदान करेगा। सम्मेलन में छत्तीसगढ़ी भाषा के संरक्षण एवं संवर्धन, साहित्य के विकास, राजभाषा के प्रभावी उपयोग तथा नई पीढ़ी में छत्तीसगढ़ी भाषा के प्रति रुचि बढ़ाने जैसे विषयों पर संवाद और विचार-विमर्श होगा। साथ ही प्रदेश की लोक परंपराओं एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण से जुड़े विषयों पर भी विचार साझा किए जाएंगे।

छत्तीसगढ़ी भाषा प्रदेश की लोक संस्कृति, परंपराओं, लोकगीतों, लोककथाओं और जनजीवन की अभिव्यक्ति का महत्वपूर्ण माध्यम है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से छत्तीसगढ़ी भाषा और साहित्य को नई पीढ़ी से जोड़ने तथा इसके व्यापक प्रचार-प्रसार को गति देने का अवसर मिलता है। सम्मेलन में छत्तीसगढ़ की माटी, भाषा और संस्कृति की विशिष्ट पहचान को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में भी विचार-विमर्श किया जाएगा। दो दिवसीय प्रांतीय राजभाषा सम्मेलन में प्रदेश के विभिन्न जिलों से साहित्यकार, लेखक, कवि, विद्वान, भाषा प्रेमी और राजभाषा से जुड़े प्रतिनिधि शामिल होंगे।

सम्मेलन के माध्यम से छत्तीसगढ़ी भाषा एवं साहित्य के क्षेत्र में कार्य कर रहे रचनाकारों और संस्थाओं के बीच संवाद एवं समन्वय को बढ़ावा देने का प्रयास किया जाएगा। छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग द्वारा आयोजित यह सम्मेलन भाषा और साहित्य के क्षेत्र में सक्रिय लोगों के लिए विचारों के आदान-प्रदान का महत्वपूर्ण मंच बनेगा।

मेरे सपनों का भारत को बालिकाओं ने रंगों और शब्दों में किया साकार

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत विशेष बालिकाओं की रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करने और उन्हें अपने विचारों एवं भावनाओं को अभिव्यक्त करने का अवसर देने के उद्देश्य से सरगुजा जिले के अम्बिकापुर में 'मेरे सपनों का भारत' विषय पर विद्यालय स्तरीय ड्राइंग एवं भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित शासकीय बौद्धिक मंदतावाली बालिकाओं की संस्था में आयोजित प्रतियोगिता में बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपने सपनों के भारत की कल्पना को रंगों और शब्दों के माध्यम से अभिव्यक्त किया। ड्राइंग प्रतियोगिता में बालिकाओं ने अपनी कल्पनाशक्ति और रचनात्मकता का परिचय देते हुए बेहतर भारत की अपनी सोच को चित्रों में उतारा। रंगों और आकृतियों के माध्यम से उन्होंने अपने सपनों, उम्मीदों और भविष्य की कल्पना को अभिव्यक्त किया। भाषण प्रतियोगिता में बालिकाओं ने 'मेरे सपनों का भारत' विषय पर अपने विचार रखे। प्रतिभागियों ने बेहतर, समावेशी और विकसित भारत के निर्माण से जुड़ी अपनी आकांक्षाओं को साझा किया। प्रतियोगिता ने उन्हें अपनी बात आत्मविश्वास के साथ रखने और अभिव्यक्ति कौशल को विकसित करने का अवसर दिया।

मंत्री टंक राम वर्मा ने दिव्यांगजनों को बांटे सहायक उपकरण

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा काल के 25 वर्ष पूरे होने पर 17 सितंबर से प्रारंभ होकर 17 अक्टूबर तक चलने वाले एक माह के 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत शुक्रवार को बलौदाबाजार स्थित नगर भवन में दिव्यांगजनों के लिए विशेष चिन्हांकन, प्रमाणीकरण एवं 'ऑन द स्पॉट' कृत्रिम अंग, कैलिपर्स व स्प्लिंट वितरण शिविर का आयोजन किया गया। इस विशेष कार्यक्रम में प्रदेश के राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और स्थानीय जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति में दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया।

शिविर के दौरान राजस्व मंत्री वर्मा ने मौके पर ही निर्मित कृत्रिम अंग और कैलिपर्स 29 दिव्यांगजनों को वितरित किए। तत्पश्चात उन्होंने सहायक उपकरण प्राप्त करने वाले दिव्यांगों से

आत्मीय मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना और उनके अनुभव सुने। उन्होंने सभी को आश्वस्त करते हुए कहा कि शिविर में पंजीकृत प्रत्येक पात्र दिव्यांगजन को उसकी आवश्यकता के अनुसार नि:शुल्क सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे। समारोह को संबोधित करते हुए राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने कहा कि यह सेवा संकल्प अभियान सीधे जनता से जुड़ने और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम है।

436 रुपए के सुरक्षा कवच से मिला 2 लाख रूपए का सहारा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। विपरीत परिस्थितियों में एक छोटी-सी बचत किस तरह किसी परिवार के लिए बड़ा संबल बन सकती है, इसकी बानगी छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में देखने को मिली है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन ('बिहान') से जुड़कर महिलाओं में आई वित्तीय साक्षरता का ही सुखद परिणाम है कि आज ग्रामीण परिवार आकस्मिक संकट के समय आर्थिक रूप से खुद को सुरक्षित पा रहे हैं।

धमतरी जिले के ग्राम अर्जुनी की रहने वाली स्वर्गीय सगनी बाई ध्रुव 'ठाकुर देव स्व-सहायता

समूह' की एक सक्रिय सदस्य थीं। बिहान के माध्यम से चलाए जा रहे सामाजिक सुरक्षा अभियानों से प्रेरित होकर उन्होंने मात्र 436 रुपए के वार्षिक प्रीमियम पर प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत अपना बीमा कराया था।दुर्भाग्यवश, उनके असमय निधन के बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा, लेकिन ऐसे कठिन समय में बिहान कैडर की मुस्तैदी और योजना की दूरदर्शिता परिवार के लिए एक आर्थिक ढाल बनकर सामने आई।

इस पूरे प्रकरण में जमीनी स्तर पर काम कर रहीं बैंक सखी कामिनी विश्वकर्मा और बीमा सखी प्रतिमा साहू ने आगे बढ़कर परिजनों को ढांढस बंधाया और क्लेम से जुड़े आवश्यक दस्तावेज तैयार कराए। इसके बाद आश्रय महिला क्लस्टर संगठन (देमार) के जरिए बैंक के साथ त्वरित समन्वय स्थापित किया गया, जिससे बीमा दावा प्रक्रिया बिना किसी रुकावट के पूरी हो सकी।

परिणामस्वरूप, सगनी बाई के पति श्री कानतु राम ध्रुव के बैंक खाते में 2 लाख रुपए की बीमा दावा राशि हस्तांतरित कर दी गई।

आयुष्मान भारत योजना के प्रभावी क्रियान्वयन में छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर मिला प्रतिष्ठित सम्मान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर । आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के प्रभावी क्रियान्वयन और हितग्राहियों को बेहतर स्वास्थ्य सुरक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में छत्तीसगढ़ ने राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। पोर्टेबिलिटी क्लेम्स के समयबद्ध एवं प्रभावी निराकरण में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित सम्मान प्रदान किया गया है।

भारत सरकार के राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण द्वारा आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के आठ वर्ष तथा आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के पांच वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आज विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित आरोग्य मंथन 2026 में छत्तीसगढ़ को यह सम्मान प्रदान किया गया। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने छत्तीसगढ़ को पोर्टेबिलिटी क्लेम्स के निराकरण में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया। छत्तीसगढ़ की ओर से आयुष्मान भारत योजना के राज्य नोडल अधिकारी डॉ. धर्मेंद्र गहवई ने यह पुरस्कार ग्रहण किया।

इस उपलब्धि पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने स्वास्थ्य विभाग की पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि राज्य सरकार का संकल्प है कि प्रदेश के किसी भी पात्र नागरिक को आर्थिक कठिनाई के कारण उपचार से वंचित न होना पड़े। बीमारी के समय परिवार को उपचार के साथ आर्थिक सुरक्षा का भरोसा मिले, इसी उद्देश्य से प्रदेश में आयुष्मान भारत योजना को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आयुष्मान भारत योजना ने देश के करोड़ों जरूरतमंद परिवारों को स्वास्थ्य सुरक्षा का मजबूत भरोसा दिया है। छत्तीसगढ़ में भी इस योजना के माध्यम से पात्र परिवारों को गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराने के लिए स्वास्थ्य सेवाओं और प्रशासनिक व्यवस्थाओं को लगातार सुदृढ़ किया जा रहा1 है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना की पोर्टेबिलिटी सुविधा विशेष रूप से उन नागरिकों के लिए महत्वपूर्ण है, जिन्हें रोजगार, कामकाज अथवा अन्य कारणों से अपने गृह राज्य से बाहर रहना पड़ता है या बेहतर उपचार के लिए दूसरे राज्य जाना पड़ता है। इस व्यवस्था के माध्यम से पात्र हितग्राही देश के अन्य राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में योजना से संबद्ध अस्पतालों में कैशलेस उपचार प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के जो हितग्राही दूसरे राज्यों में उपचार लेते हैं, उन्हें भी योजना का लाभ सहजता से मिले और उनके क्लेम का निराकरण समय पर हो, इसके लिए राज्य सरकार लगातार व्यवस्था को मजबूत कर रही है। पोर्टेबिलिटी क्लेम्स के निराकरण में मिला राष्ट्रीय सम्मान इसी दिशा में किए जा रहे प्रयासों का परिणाम है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर मिली यह उपलब्धि स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों, चिकित्सकों, अस्पतालों और योजना के क्रियान्वयन से जुड़े सभी लोगों के सामूहिक प्रयास का परिणाम है। यह सम्मान हमें स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुलभ, प्रभावी और हितग्राही-केंद्रित बनाने की प्रेरणा देगा।

क्लेम प्रोसेसिंग और तकनीकी निगरानी पर विशेष ध्यान

प्रदेश में पोर्टेबिलिटी क्लेम्स के समयबद्ध निराकरण के लिए क्लेम प्रोसेसिंग व्यवस्था, तकनीकी निगरानी, संबद्ध अस्पतालों के साथ समन्वय और लंबित प्रकरणों के निराकरण पर लगातार विशेष ध्यान दिया जा रहा है। प्रशासनिक एवं तकनीकी प्रक्रियाओं को इस प्रकार सुदृढ़ किया जा रहा है कि उपचार प्राप्त करने वाले हितग्राहियों को योजना का लाभ लेने में अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। राष्ट्रीय स्तर पर प्राप्त यह सम्मान इस बात को भी रेखांकित करता है छत्तीसगढ़ में आयुष्मान भारत योजना के संचालन के लिए विकसित की गई व्यवस्थाएं लाभार्थी-केंद्रित स्वास्थ्य सेवा वितरण को मजबूत करने में प्रभावी भूमिका निभा रही हैं।

असुरक्षित खाद्य उत्पादों की बिक्री पर प्रतिबंध

सूरजपुर। खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने असुरक्षित पाए गए खाद्य उत्पादों को लेकर सतर्कता बरतते हुए त्वरित कार्रवाई की है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन सूरजपुर की अभिहित अधिकारी पुष्पा राज चौहान ने जानकारी दी है कि खाद्य सुरक्षा अधिकारी, खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा जांच में अनिरुद्ध फूड विलेज करवा डांडी (उत्तर प्रदेश) द्वारा विनिर्मित खाद्य पदार्थ मैदा (बैच निर्माण तिथि 28 फरवरी 2026, अवसान तिथि 27 अगस्त 2026), जैन ट्रेडर्स, ऑपोजिट नेहा फैंसी स्टोर, आकृति विहार, अमलीडीह रायपुर द्वारा विनिर्मित खाद्य पदार्थ 'टी' तथा जिला धमतरी में कंज्यूमर प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड इंडस्ट्रियल एरिया गुर्जर कोटपूतली द्वारा विनिर्मित उत्पाद के नमूने परीक्षण के बाद असुरक्षित घोषित किया गया हैं।

खास खबर

7 वर्षीय बालिका से दुष्कर्म, आरोपी को 20 साल की सजा

जशपुर। कांसाबेल थाना क्षेत्र में 13 अगस्त को पीड़िता के पिता की शिकायत पर अपराध क्रमांक 151/2026 दर्ज किया गया था। विवेचना के बाद 2 सितंबर को न्यायालय में अभियोग पत्र पेश किया गया। 24 सितंबर को न्यायालय ने फैसला सुनाया। इस तरह एफआईआर के 40 दिन और अभियोग पत्र पेश होने के 23 दिन के भीतर मामले में सजा हुई। न्यायालय ने धारा 65(2) बीएनएस और पॉक्सो एक्ट की धारा 6 के तहत 20-20 वर्ष सश्रम कारावास तथा अर्थदंड की सजा सुनाई। प्रकरण की विवेचना थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार ताम्रकार ने की, जबकि विशेष लोक अभियोजक अनुपम कुमार तिर्की ने पैरवी की। अभियोजन ने पीड़िता सहित 13 साक्षियों का परीक्षण कराया। पुलिस के अनुसार, त्वरित विवेचना और प्रभावी अभियोजन के परिणामस्वरूप मामले में शीघ्र न्यायालयीन निर्णय हुआ।

ज्वेलर्स पर हमले का आरोपी 48 घंटे में पकड़ाया

दुर्ग। पद्मनाभपुर थाना क्षेत्र के राधा कृष्ण ज्वेलर्स में लूटपाट और जानलेवा हमले की कोशिश के मामले में पुलिस ने अज्ञात आरोपी को 48 घंटे के भीतर पकड़ लिया। आरोपी विधि से संघर्षरत बालक है, जिसे बाल संप्रेक्षण गृह भेजा गया है। प22 सितंबर की रात करीब 7:45 बजे आदर्श नगर स्थित बालाजी अपार्टमेंट के पास राधा कृष्ण ज्वेलर्स में मास्क लगाए एक युवक आभूषण देखने के बहाने पहुंचा। इसी दौरान उसने संचालक रंजन पालित की गर्दन पर चाकू से वार किया। बचाव के दौरान संचालक के गाल और हाथ में चोट आई। घटना की सूचना मिलने के बाद पद्मनाभपुर पुलिस ने विशेष टीमें गठित कर आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की पहचान की। पुलिस ने 48 घंटे के भीतर उसे पकड़ लिया। मामले में अपराध क्रमांक 0593/2026 के तहत बीएनएस की धारा 109(1) में कार्रवाई की गई है।

हेरोइन मामले में तीन फरार आरोपी गिरफ्तार

भिलाई। खुर्सीपार थाना क्षेत्र में हेरोइन तस्करी के मामले में फरार चल रहे तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। प्रकरण में पूर्व कार्रवाई के दौरान 70.460 ग्राम हेरोइन समेत करीब 29.22 लाख रुपये की सामग्री जब्त की गई थी। 19 सितंबर को सूचना मिली थी कि जोन क्रमांक-3, जीरो स्ट्रीट खुर्सीपार स्थित एक मकान में हेरोइन का अवैध कारोबार किया जा रहा है। सूचना पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 70.460 ग्राम हेरोइन, नगदी, सोने-चांदी के आभूषण, मोबाइल फोन और इलेक्ट्रॉनिक तराजू सहित कुल करीब 29,22,300 रुपये की सामग्री जब्त की थी। इस मामले में थाना खुर्सीपार में अपराध क्रमांक 431/2026 के तहत धारा 8, 21(ख), 27(क) एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज किया गया था। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सैमसंग प्रसाद उर्फ सल्लू (32), गुरमीत सिंह उर्फ लक्की (21) और आशीष कुमार शाह (26) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार तीनों की प्रकरण में हेरोइन के अवैध कारोबार से जुड़ी संलिप्तता की जांच की जा रही है।

गांजा लेकर जा रहा युवक गिरफ्तार

राजनांदगांव। डोंगरगांव पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 774 ग्राम गांजा के साथ 19 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी मोटरसाइकिल से गांजा लेकर बिक्री के उद्देश्य से जा रहा था। 24 सितंबर को मुखबिर की सूचना पर ग्राम पांगरीकला से सांकरदाहरा मार्ग पर नाकाबंदी की गई। इस दौरान मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी 08 एएन 8374 को रोककर तलाशी ली गई। वाहन की डिक्की में रखे पीले कपड़े के थैले से 774 ग्राम गांजा बरामद हुआ। आरोपी की पहचान पीयूष कुमार साहू (19) के रूप में हुई है।

खारुन की रेलिंग पर चढ़ी तेज रफ्तार बस : नदी में गिरने से बची, 20 से ज्यादा यात्री थे सवार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले की सीमा से लगे खारुन नदी पुल पर बड़ा हादसा टल गया। रायपुर से दुर्ग की ओर आ रही तेज रफ्तार पायल बस अनियंत्रित होकर पुल के डिवाइडर से टकराने के बाद रेलिंग पर जा चढ़ी। बस का अगला हिस्सा रेलिंग पर अटक गया। हादसे के समय बस में 20 से ज्यादा यात्री सवार थे। सभी सुरक्षित बाहर निकल आए।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बस रायपुर की ओर से दुर्ग जा रही थी। खारुन पुल पर पहुंचते ही चालक ने बस से नियंत्रण खो दिया। बस सड़क से किनारे की ओर जाकर डिवाइडर से टकराई और उसका अगला हिस्सा रेलिंग पर चढ़ गया। बस रेलिंग तोड़कर

नदी में गिरने से बच गई।

हादसे के बाद यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें बस से बाहर निकलने में मदद की। बस पुल पर फंसने के कारण रायपुर-दुर्ग मार्ग पर वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई और लंबा जाम लग गया। इस मार्ग से रोजाना करीब डेढ़ लाख वाहनों की आवाजाही होती है।

एफआईआर नहीं, दोनों जिलों की पुलिस जिम्मेदारी से बच रही

हादसा दुर्ग और रायपुर जिले की सीमा पर हुआ है। घटना के बाद शुक्रवार शाम तक न तो एफआईआर दर्ज की गई और न ही हादसे के कारणों की जांच शुरू होने की जानकारी सामने आई।

गणेश विसर्जन में चाकूबाजी, तीन गंभीर नशे में युवकों पर किया जानलेवा हमला

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर में गणेश विसर्जन के दौरान युवकों के दो पक्षों में जमकर विवाद हो गया। इस दौरान बदमाश युवकों ने तीन लड़कों पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में घायल युवकों की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। घटना सिरगिट्टी थाना क्षेत्र की है।

सिरगिट्टी क्षेत्र के नायक गणेश उत्सव समिति के पदाधिकारी व सदस्य प्रतिमा विसर्जन करने निकले थे। वहां से लौटते समय बड़े बन्नाक तालाब के पास समिति के कुछ युवकों के बीच किसी बात को लेकर विवाद शुरू हो गया।

नशे में युवकों ने मचाया हंगामा, विवाद बढ़ने पर चलाया चाकू पुलिस के मुताबिक नशे में युवकों ने आपस में मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान बदमाश युवकों ने सड़क पर खड़े बन्नाक चौक स्थित महावीर नगर निवासी राहुल सिंह ठाकुर (24), माता चौरा निवासी सिद्धांत ध्रुव (22), निवासी माता चौरा समेत तीन युवकों ने विवाद करने से रोकने का प्रयास किया।

तब हमलावर उनके ऊपर ही टूट पड़े। आरोपियों ने चाकू से हमला कर तीनों को लहूलुहान कर दिया। जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पुलिस पहुंची और घायलों को सिम्स भेजा गया। पुलिस ने नायक गणेश उत्सव समिति के अध्यक्ष अनुज, शेखर कांति, करण रजक सहित अन्य युवकों को पकड़ लिया है। पुलिस के मुताबिक शुरुआती जांच में किसी पुरानी रंजिश के बजाय नशे की हालत में विवाद बढ़ने की बात सामने आई है।

जूना बिलासपुर में भी हुआ विवाद गणेश विसर्जन के दौरान सिटी कोतवाली क्षेत्र के जूना बिलासपुर में भी दो पक्षों के युवकों के बीच विवाद हो गया। गोंड़पारा और सरकंडा क्षेत्र से आए कुछ युवक किसी बात को लेकर गाली-गलौज करने लगे। देखते ही देखते मामला मारपीट तक पहुंच गया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और विवाद कर रहे युवकों को पकड़ लिया। पुलिस ने सभी के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की है।

डीजे और हुड़दंगियों पर सख्ती का दावा फेल जिला और पुलिस प्रशासन ने पिछले दिनों गणेशोत्सव आयोजन समिति के पदाधिकारियों की बैठक ली थी। इस दौरान उन्हें सख्त हिदायत दी गई थी विसर्जन के दौरान किसी तरह की बदमाशी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वहीं, सुप्रीम कोर्ट के आदेश और किए गए प्रावधान के अनुसार ही डीजे बजाने के निर्देश दिए गए।

इस पर समिति के पदाधिकारियों ने किसी तरह से उपद्रव नहीं करने और डीजे बजाने के लिए भी नियमों का पालन करने का दावा किया था। पुलिस की सख्ती के बाद भी शहर के कई इलाकों में मारपीट जैसी घटनाएं हुई। जिला व पुलिस प्रशासन के निर्देशों को दरकिनार कर आयोजक रास्ता रोक कर डीजे बजाते रहे, जिसके कारण जाम की स्थिति बनी और लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

घर में घुसकर चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार, स्कूटी और लोहे की रॉड बरामद

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। अकलतरा थाना क्षेत्र के ग्राम रसेड़ा में घर का ताला तोड़कर चोरी करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से चोरी में प्रयुक्त स्कूटी और ताला तोड़ने में इस्तेमाल लोहे की रॉड बरामद की गई है। आरोपी को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

पुलिस के अनुसार ग्राम रसेड़ा निवासी संदीप साहू 24 सितंबर को मेन रोड स्थित अपने घर में ताला लगाकर काम से बाहर गए थे। रात में वापस लौटने पर उन्होंने घर के अंदर कुछ लोगों को देखा, जो परिवार के सदस्यों को देखकर भागने लगे। इस दौरान एक आरोपी को पकड़ लिया गया और घटना की सूचना पुलिस को दी गई।

पुलिस पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम मानसिंह उर्फ रामू सिंह (22), निवासी ग्राम कोसमनार, थाना कोतरारोड, जिला रायगढ़, हाल मुकाम बंधवा तालाब, तोरवा, जिला बिलासपुर बताया। आरोपी ने अपने साथी के साथ चोरी की नीयत से घर में प्रवेश करना स्वीकार किया।

पूछताछ में आरोपी ने बताया कि दोनों ने घर के सामने लगे चैनल गेट का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया और अलमारी का ताला तोड़कर उसमें रखे 3 हजार रुपये चोरी कर भागने का प्रयास किया। इसी दौरान घर के सदस्यों के पहुंचने पर एक आरोपी पकड़ा गया।

पुलिस ने आरोपी के मेमोरेंडम कथन के आधार पर चोरी में प्रयुक्त स्कूटी क्रमांक सीजी 04 सीएस 5816 और ताला तोड़ने में इस्तेमाल लोहे की रॉड बरामद की। मामले में धारा 331(4), 305(ए), 3(5) बीएनएस के तहत कार्रवाई कर आरोपी को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। कार्रवाई में निरीक्षक जय कुमार साहू, उप निरीक्षक विनोद जाटवर, प्रभारी पुलिस सहायता केंद्र कोटमी सोनार, प्रधान आरक्षक रेमन सिंह राजपूत, आरक्षक हेमंत साहू एवं धन्नू लहरे का सराहनीय योगदान रहा।

घुनघुट्टा बांध में छलांग लगाकर छात्र ने दी जान, 15 घंटे बाद मिला शव, मौत से पहले लगाया था स्टेटस

श्रीकंचनपथ न्यूज

अम्बिकापुर। अंबिकापुर शहर से करीब 10 किलोमीटर दूर घुनघुट्टा बांध में एक 19 वर्षीय कॉलेज छात्र ने पानी में छलांग लगा दी। घटना के करीब 15 घंटे बाद शुक्रवार दोपहर एसडीआरएफ की टीम ने उसका शव बरामद किया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मणिपुर थाना क्षेत्र के बिलासपुर चौक निवासी ऋतिक साहू गुरुवार दोपहर स्कूटी से घुनघुट्टा बांध पहुंचा था। वहां पहुंचने के कुछ देर बाद उसने पानी में छलांग लगा दी। बांध के पास मौजूद मछुआरों और कर्मचारियों ने उसे बचाने की कोशिश की लेकिन पानी की अधिक गहराई के कारण सफल नहीं हो सके। घटना की सूचना दरिमा पुलिस को दी गई लेकिन शाम होने और अंधेरा बढ़ने के कारण गुरुवार को रेस्क्यू अभियान शुरू नहीं किया जा सका।

शुक्रवार सुबह एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और बांध में छात्र की तलाश शुरू की।

करीब 15 घंटे की मशक्कत के बाद दोपहर करीब 1 बजे टीम ने ऋतिक का शव पानी से बाहर निकाला। इसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

घटना के बाद दोस्तों और रिश्तेदारों से मिली जानकारी के अनुसार, बांध पहुंचने से कुछ समय पहले ऋतिक ने अपनी इंस्टाग्राम आईडी पर फिल्म 'आशिकी-2' का एक दृश्य स्टेटस के रूप में लगाया था। हालांकि इस स्टेटस और उसकी मौत के बीच कोई संबंध था या नहीं, यह अभी स्पष्ट नहीं है। पुलिस घटना के कारणों और परिस्थितियों की जांच कर रही है।

रायपुर में गाड़ी से सामान चुराने वाला गिरोह सक्रिय गंज इलाके में आरोपी कारोबारी से कर चुके वारदात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी में वाहन चालकों को रोककर कार के अंदर रखा सामान चोरी करने वाला गिरोह सक्रिय है। रायपुर कमिश्नरेट पुलिस ने इस तरह की वारदातों को लेकर लोगों को अलर्ट जारी किया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार आरोपियों ने गंज थानाक्षेत्र में नेचर सिटी अमलीडीह निवासी कारोबारी से इसी पैटर्न में वारदात को अंजाम दिया है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार कारोबारी ने अपनी शिकायत में कहा, कि वो रावाभाठा स्थित कैप्स आइसक्रीम फैक्ट्री के संचालक हैं। 24 सितंबर को वह कार से घर से ऑफिस जा रहे थे। फाफाडीह ओवरब्रिज के पास पहुंचने पर युवक ने उन्हें बताया कि कार के बोनट के सामने ऑयल गिर रहा है। कुछ दूर जाने के बाद दूसरे युवक ने भी यही बात कही।

कारोबारी ने कार सड़क किनारे खड़ी की और बोनट की जांच करने लगा। इसी दौरान वह सर्विसिंग से जुड़े व्यक्ति से संपर्क करने में भी व्यस्त हो गया।

चालक का ध्यान दूसरी ओर होते ही अज्ञात आरोपी कार के अंदर रखा बैग लेकर फरार हो गए। बैग में नकदी, बैंक से जुड़े दस्तावेज और अन्य जरूरी सामान रखा था।

रायपुर पुलिस के अधिकारियों ने अंजान लोगों की सूचना पर भरोसा नहीं करने की अपील की है। अफसरों के अनुसार यदि कोई व्यक्ति गाड़ी के नाम पर रोक रहा है, तो अलर्ट रहे। गाड़ी से उतरे ही उसे लॉक कर दें। संदेह होने पर तत्काल पुलिस को सूचना दे और वारदात से बचें।

इस सावधानी से बचे आरोपियों से

कार से बाहर निकलने से पहले कीमती सामान अपने पास रखें। किसी भी अज्ञात व्यक्ति पर तुसंत विश्वास न करें, भले ही वह मददगार लग रहा हो। सामान कार में हो तो वाहन को लॉक करके ही बाहर निकलें।

अंजान व्यक्ति के कहने पर सड़क पर अचानक वाहन न रोकें। संदेह होने पर सुरक्षित स्थान पर जाकर रूकें और स्थिति की जांच करें। ऐसी घटना या संदिग्ध गतिबिधि देखने पर तुरंत 112 या नजदीकी पुलिस थाने को सुचना दें।

हाथियों के झुंड ने रौंदी फसल, दंतैल ने तोड़ा मकान, मोहनपुर और बनिया में अलग-अलग झुंड

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा जिले के कटघोरा वनमंडल के पसान रेंज में हाथियों की सक्रियता बढ़ गई है। केंदई, एतमानगर और जटगा रेंज में घूम रहे करीब 30 हाथियों का झुंड अब पसान क्षेत्र के लैंगी, मोहनपुर और बनिया पहुंच गया है। हाथी अलग-अलग झुंडों में बंटकर पांच से ज्यादा स्थानों पर घूम रहे हैं।

बीती रात हाथियों ने कई ग्रामीण इलाकों में खेतों में लगी धान की फसल रौंद दी। अब हाथी दिन में भी फसल खा रहे हैं और रात के समय गांवों के आसपास पहुंच रहे हैं। इससे किसानों को नुकसान हो रहा है और ग्रामीणों में डर का माहौल बना हुआ है।

झुंड से अलग हुए एक दंतैल हाथी ने मोहनपुर और पोड़ीकला के बीच जंगल में थुहानाला के

पास रात में ग्रामीण के कच्चे मकान को कई जगह से तोड़ दिया। घटना के समय मकान मालिक परदेशी अपने परिवार के साथ एक ही कमरे में डरे हुए दुबके रहे।

हाथी के हमले से मकान को काफी नुकसान पहुंचा है। हालांकि राहत की बात रही कि घटना में किसी की जनहानि नहीं हुई। ग्रामीणों के मुताबिक, हाथियों का बड़ा झुंड आमतौर पर गांव के ज्यादा करीब नहीं आता। सबसे ज्यादा खतरा झुंड से अलग होकर घूमने वाले दंतैल हाथियों से बना हुआ है। पसान रेंज में सक्रिय हाथियों के दल में दो अकेले हाथी भी शामिल हैं, जो झुंड से अलग घूम रहे हैं। इनके लगातार स्थान बदलने के कारण वन विभाग के सामने इनकी निगरानी चुनौती बनी हुई है।

हाथियों की बढ़ती सक्रियता को देखते हुए वन विभाग ने निगरानी बढ़ा दी है। हाथियों की मौजूदगी वाले गांवों में टीम की ओर से मुनादी कराई जा रही है।

ग्रामीणों को जंगल और हाथियों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने तथा रात में अकेले जंगल या खेतों की ओर नहीं जाने की सलाह दी जा रही है। विभाग की टीम हाथियों की लोकेशन पर लगातार नजर रख रही है।

इधर, कोरबा वनमंडल के करतला रेंज में भी 9 हाथी बेहरसुआं क्षेत्र में पहुंच गए हैं। ये हाथी पहले लबेद के आसपास घूम रहे थे।

वहीं, चिकनीपाली के पहाड़ पर 9 हाथियों का एक और दल अभी भी मौजूद है। इस तरह जिले के अलग-अलग वन क्षेत्रों में हाथियों की लगातार मौजूदगी बनी हुई है, जिससे वन विभाग को निगरानी और ग्रामीणों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देना पड़ रहा है।

बालोद के रिसॉर्ट में लाखों की प्रतिबंधित लकड़ी का जखीरा, वन विभाग की अचानक दबिश

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में डौंडीलोहारा वन परिक्षेत्र के अंतर्गत खरखरा जलाशय किनारे स्थित बैना रिसॉर्ट में महंगे शौक के लिए प्रतिबंधित लकड़ियों के इस्तेमाल का मामला सामने आया है। रिसॉर्ट की आड़ में अवैध रूप से लकड़ी की वर्कशॉप संचालित किए जाने की सूचना पर वन विभाग की टीम ने बुधवार शाम अचानक दबिश दी।

लाखों रुपये की बीजा चिरान और फर्नीचर मिला

दबिश के दौरान वन विभाग की टीम को रिसॉर्ट परिसर में लाखों रुपये मूल्य की बीजा सहित अन्य प्रतिबंधित और मिश्रित प्रजातियों की चिरान लकड़ी मिली। इसके अलावा चौखट, दरवाजे, बेड, पल्ले और निर्माणाधीन फर्नीचर भी मौके पर पाए गए। जांच के दौरान मौजूद रिसॉर्ट संचालक लकड़ियों की खरीद-फरोख्त, भंडारण और परिवहन से संबंधित कोई वैध दस्तावेज या टीपी (ट्रांजिट पास) प्रस्तुत नहीं कर सका।

शाम को सूर्यास्त होने के कारण वन विभाग की टीम लकड़ियों और फर्नीचर की पूरी गणना और नापजोख नहीं कर सकी। जब्ती स्थल की सुरक्षा के लिए मौके पर तत्काल एक वन कर्मचारी को तैनात

किया गया।

उड़नदस्ता और राजस्व टीम करेगी संयुक्त जांच

वन विभाग के अनुसार, अब वनमंडल स्तरीय उड़नदस्ता टीम की मौजूदगी में पूरे परिसर में डंप लकड़ी, चिरान और तैयार फर्नीचर की विस्तृत गणना की जा रही है। इसके साथ ही पुलिस और राजस्व विभाग के साथ संयुक्त जांच की तैयारी भी की जा रही है। अधिकारी इस बात की जांच कर रहे हैं कि जंगलों से प्रतिबंधित लकड़ी किस रास्ते से रिसॉर्ट तक पहुंची, इसे किससे खरीदा गया और मामले में किन-किन लोगों की संलिप्तता है। जांच पूरी होने के बाद वन अधिनियम के तहत संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

रायगढ़ के अवैध कबाड़ दुकान पर छापा

रायगढ़। ऑपरेशन प्रहार के तहत धरमजयगढ़ पुलिस ने पीपरमार चौक स्थित अवैध कबाड़ दुकान पर कार्रवाई कर करीब 800 किलोग्राम लोहे और टीन का कबाड़ तथा पिकअप वाहन जब्त किया है। जब्त कबाड़ की कीमत करीब 50 हजार रुपये और पिकअप वाहन की कीमत करीब 5 लाख रुपये बताई गई है। सूचना पर पुलिस टीम ने गवाहों के साथ मौके पर दबिश दी। वहां मनतोष यादव (30), निवासी नीचेपारा धरमजयगढ़, कबाड़ के साथ मिला। दुकान की जांच में करीब 500 किलोग्राम लोहे-टीन का स्क्रैप मिला, जबकि पिकअप में करीब 300 किलोग्राम स्क्रैप लोड मिला। पुलिस ने 800 किलोग्राम कबाड़ और पिकअप वाहन जब्त कर कार्रवाई की। कार्रवाई में सहायक उप निरीक्षक सुरेन्द्र वर्मा, प्रधान आरक्षक श्यामदेव साहू और आरक्षक ललित राठिया शामिल रहे।

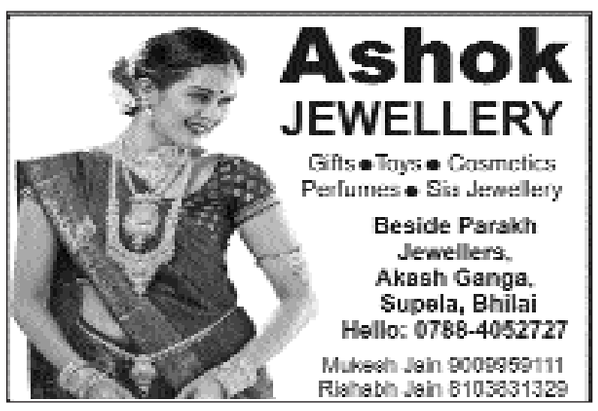

मुख्यमंत्री साय ने 21 विकास कार्यों का किया लोकार्पण एवं शिलान्यासः 68.96 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात

श्रीकंचनपथ समाचार

मुंगेली। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मुंगेली जिले के ग्राम मदकू में 68 करोड़ 96 लाख 96 हजार रुपये की लागत के 21 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास कर क्षेत्रवासियों को बड़ी सौगात दी। इस अवसर पर उन्होंने स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन, बिजली, खेल और जनसुविधाओं के विस्तार से जुड़ी अनेक महत्वपूर्ण घोषणाएं भी कीं। मुख्यमंत्री साय 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत आयोजित 'आंगन मिलन सेवा, रक्तदान एवं नि:शुल्क मेगा स्वास्थ्य शिविर' में भी शामिल हुए। मुख्यमंत्री साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी सरकार का संकल्प है कि विकास की गति तेज हो और जनसेवा की पहुंच समाज के अंतिम व्यक्ति तक सुनिश्चित हो। गांवों में अच्छी सड़कें हों, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हों, माताओं और बच्चों को पर्याप्त पोषण मिले और गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों तक शासन की प्रत्येक योजना का लाभ सहजता से पहुंचे। इसी सोच के साथ हमारी सरकार पूरी संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है।

मदकू की विरासत को विकास और पर्यटन से जोड़ेंगे

मुख्यमंत्री साय ने मदकू द्वीप के ऐतिहासिक, धार्मिक और पुरातात्विक महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की समृद्ध विरासत हमारी पहचान और हमारा गौरव है। इसका संरक्षण करने के साथ इसे नई पीढ़ी से जोड़ना भी हमारी जिम्मेदारी है। मदकू द्वीप में पर्यटन सुविधाओं के विस्तार से इसकी विशिष्ट पहचान को और मजबूती मिलेगी तथा स्थानीय लोगों के लिए रोजगार और आजीविका के नए अवसर भी विकसित होंगे। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार विकास और विरासत को साथ लेकर आगे बढ़ रही है। मदकू द्वीप जैसे महत्वपूर्ण स्थलों को संरक्षित करते हुए यहां आवश्यक सुविधाओं का विकास किया जाएगा, ताकि प्रदेश और देश के अधिक से अधिक लोग छत्तीसगढ़ की इस समृद्ध धरोहर से परिचित हो सकें। मुख्यमंत्री श्री साय ने सरगांव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ट्रॉमा सेंटर प्रारंभ करने तथा पिपर डोल और लमती की प्राथमिक शालाओं को मिडिल स्कूल में उन्नत करने की घोषणा की। उन्होंने ताला महोत्सव और मदकू द्वीप उत्सव के आयोजन के लिए 15-15 लाख रुपये तथा पथरिया के अवंती बाई लोधी कॉलेज में रानी अवंती बाई लोधी की आदमकद प्रतिमा स्थापित करने के लिए 25 लाख रुपये देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने मदकू द्वीप में इको टूरिज्म सेंटर की स्थापना के लिए 75 लाख रुपये, भाटापारा में इनडोर स्टेडियम निर्माण और भाटापारा क्षेत्र के 10 गांवों में प्रत्येक गांव में 10 लाख रुपये की लागत से सीसी रोड निर्माण की घोषणा की।

विकास के साथ विरासत का संरक्षण भी प्राथमिकता : तोखन साहू

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्यमंत्री तोखन साहू ने स्वर्गीय शांताराम सराफको उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर भी उनका स्मरण किया। स्वर्गीय शांताराम सराफने मदकू द्वीप के ऐतिहासिक और पुरातात्विक महत्व को सामने लाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। यहां उत्खनन कार्य हुआ और इस क्षेत्र के प्राचीन इतिहास से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण तथ्य सामने आए। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के मार्ग पर चलते हुए गरीब कल्याण के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है।

मदकू द्वीप की प्राचीन विरासत को मिलेगी नई पहचान : अरुण साव

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि मदकू द्वीप छत्तीसगढ़ की प्राचीन विरासत को अपने भीतर समेटे हुए है और यह 11वीं सदी का महत्वपूर्ण धार्मिक केंद्र रहा है। राज्य सरकार मदकू द्वीप के संरक्षण और विकास के लिए प्रतिबद्ध है। केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं से भी इसके विकास को सहयोग मिल रहा है। उन्होंने कार्यक्रम में सम्मानित सभी सेवाभावियों को बधाई दी। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक ने कहा कि स्वर्गीय शांताराम सराफने मदकू द्वीप के विकास और इसकी ऐतिहासिक पहचान को स्थापित करने के लिए उल्लेखनीय कार्य किया। उनके कार्यों को आगे बढ़ाना हम सभी की जिम्मेदारी है।

68.96 करोड़ रुपये के 21 विकास कार्यों की सौगात

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री साय ने 34 करोड़ 77 लाख 19 हजार रुपये की लागत से पूर्ण कार्यों का लोकार्पण और 34 करोड़ 19 लाख 77 हजार रुपये की लागत के नए कार्यों का शिलान्यास किया। लोकार्पित कार्यों में लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत लोरमी विधानसभा क्षेत्र में 20 करोड़ 07 लाख 61 हजार रुपये के आठ कार्यतथा बिल्हा विधानसभा क्षेत्र में 10 करोड़ 68 लाख 06 हजार रुपये का एक कार्य शामिल है। ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग तथा पुलिस विभाग के कार्यों का भी लोकार्पण किया गया। शिलान्यास किए गए कार्यों में मुख्यमंत्री ग्राम सड़क एवं विकास योजना के तहत मुंगेली विधानसभा क्षेत्र में 8 करोड़ 04 लाख 63 हजार रुपये का एक कार्य शामिल है। लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत मुंगेली विधानसभा क्षेत्र में 20 करोड़ 88 लाख 29 हजार रुपये के तीन तथा बिल्हा विधानसभा क्षेत्र में 4 करोड़ 83 लाख 85 हजार रुपये के दो कार्यों की आधारशिला रखी गई। बिल्हा क्षेत्र में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के 43 लाख रुपये के कार्य का भी शिलान्यास किया गया।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को शासन के केंद्र में रखा है। उनके नेतृत्व में पिछले वर्षों में देश में विकास के साथ जनकल्याण का एक नया अध्याय लिखा गया है। छत्तीसगढ़ में भी हमारी सरकार प्रधानमंत्री जी की इसी भावना को आगे बढ़ाते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि 'सेवा संकल्प अभियान' केवल एक अभियान नहीं, बल्कि जनसेवा के संकल्प को जनभागीदारी से और मजबूत करने का माध्यम है। इसके माध्यम से स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता और जनकल्याण की योजनाओं को जरूरतमंदों तक पहुंचाने के साथ समाज में सेवा और सहयोग की भावना को भी विस्तार मिल रहा है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि सुशासन का वास्तविक अर्थ है कि नागरिक को अपने छोटे-छोटे कार्यों के लिए भटकना न पड़े, उसकी समस्या का समय पर समाधान हो और शासन की योजनाओं का लाभ उसे आसानी से मिले। इसी उद्देश्य से सरकार प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल और पारदर्शी बना रही है। ई-ऑफिस, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 और अटल डिजिटल सेवा केंद्रों जैसी पहलों के माध्यम से शासन को नागरिकों के और करीब लाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री जनमन योजना के माध्यम से विशेष पिछड़ी जनजातियों के जीवन में बदलाव लाने का काम हो रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से गरीब परिवारों के पक्के घर का सपना साकार हो रहा है। हमारा स्पष्ट प्रयास है कि पात्रता रखने वाला कोई भी परिवार जानकारी या प्रक्रिया के अभाव में किसी योजना के लाभ से वंचित न रहे। आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री साय ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र हमारे बच्चों के पोषण और माताओं के स्वास्थ्य की महत्वपूर्ण आधारशिला हैं। बच्चों के जीवन के शुरुआती वर्ष उनके संपूर्ण विकास के लिए सबसे महत्वपूर्ण होते हैं। इसलिए उनके पोषण, स्वास्थ्य, टीकाकरण और प्रारंभिक देखभाल पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि आंगन मिलन के माध्यम से परिवार, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका और स्वास्थ्यकर्मी एक साथ बैठकर बच्चों के पोषण, गर्भवती माताओं की देखभाल, एनीमिया, टीकाकरण और स्वच्छता जैसे विषयों पर संवाद कर रहे हैं। यह पहल स्वस्थ परिवार और स्वस्थ समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

मुख्यमंत्री ने मितानिनों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं की सराहना करते हुए कहा कि दूरस्थ गांवों तक स्वास्थ्य और पोषण सेवाओं को पहुंचाने में इनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। इनकी सेवा और समर्पण के कारण शासन की अनेक योजनाएं घर-घर तक पहुंच रही हैं।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि माताओं-बहनों का सम्मान और आर्थिक सशक्तिकरण हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। महतारी वंदन योजना के माध्यम से प्रदेश की लगभग 68 लाख माताओं-बहनों के खातों में प्रतिमाह एक हजार रुपये की सहायता सीधे पहुंच रही है। यह राशि महिलाओं को अपनी और परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करने में आर्थिक संबल प्रदान कर रही है।

मुख्यमंत्री साय ने मेगा स्वास्थ्य शिविर में उपस्थित नागरिकों से स्वास्थ्य जांच की सुविधाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि रक्तचाप, मधुमेह, एनीमिया सहित अनेक बीमारियों की समय रहते पहचान हो जाए तो उनका उपचार अधिक प्रभावी ढंग से किया जा सकता है। उन्होंने माताओं-बहनों से विशेष रूप से आग्रह किया कि परिवार की देखभाल के साथ अपने स्वास्थ्य का भी ध्यान रखें। स्वस्थ माता ही स्वस्थ परिवार की आधारशिला है और स्वस्थ परिवारों से ही स्वस्थ एवं सशक्त छत्तीसगढ़ का निर्माण होगा।

रक्तदान करने वाले सेवाभावियों को बधाई देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि रक्तदान मानवता की सबसे बड़ी सेवाओं में से एक है। हमारे द्वारा दिया गया रक्त किसी अनजान जरूरतमंद को नया जीवन दे सकता है। समाज के लिए आगे बढ़कर रक्तदान करने वाले युवा और सभी सेवाभावी अभिनंदन के पात्र हैं।

इस अवसर पर केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्यमंत्री तोखन साहू, उप मुख्यमंत्री अरुण साव, पूर्व राज्यपाल रमेश बैस, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री दयाल दास बघेल, वाणिज्य एवं उद्योग तथा जिले के प्रभारी मंत्री लखन लाल देवांगन, बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक, बिलासपुर विधायक अमर अग्रवाल, बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला, मुंगेली विधायक पुन्नूलाल मोहले, जिला पंचायत अध्यक्ष कांत पांडेय, गो सेवा आयोग के उपाध्यक्ष राजीव लोचन महाराज सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। कार्यक्रम में बिलासपुर राजस्व संभाग के संभागायुक्त सुनील जैन, बिलासपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक राम गोपाल गर्ग, कलेक्टर अमृत विकास तोपनो, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल सहित संबंधित अधिकारी और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

वंदे मातरम् मां भारती की वंदना और राष्ट्रीय चेतना का स्वर

मुख्यमंत्री साय ने कहा - शिक्षा के साथ संस्कार, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति से होता है जिम्मेदार नागरिकों का निर्माण

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव सायमुख्यमंत्री विष्णु देव साय राजधानी रायपुर के रोहिणीपुरम स्थित सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित सामूहिक गायन कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री साय ने विद्यालय के छात्र-छात्राओं, आचार्यों और उपस्थित नागरिकों के साथ 'वंदे मातरम्' का सामूहिक गायन किया। एक स्वर और एक लय में गूंजे 'वंदे मातरम्' से पूरा विद्यालय परिसर राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रीय गौरव की भावना से सराबोर हो उठा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने सरस्वती शिशु मंदिर के विकास के लिए 50 लाख रुपये प्रदान करने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री साय ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि 'वंदे मातरम्' केवल राष्ट्रगीत नहीं, बल्कि मां भारती की वंदना, राष्ट्रीय चेतना और देशभक्ति की भावना का सशक्त स्वर है। स्वतंत्रता संग्राम के कठिन दौर में इस गीत ने देशवासियों के भीतर स्वाधीनता की चेतना जगाई और असंख्य क्रांतिकारियों एवं स्वतंत्रता सेनानियों को मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व समर्पित करने की प्रेरणा दी। 'वंदे मातरम' का उद्घोष स्वतंत्रता सेनानियों के लिए राष्ट्रप्रेम, साहस और संकल्प की अभिव्यक्ति बन गया था।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूर्ण होने का यह अवसर हमें अपने गौरवशाली इतिहास, स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष और उनके त्याग एवं बलिदान को स्मरण करने का अवसर देता है। इसके साथ ही यह नई पीढ़ी को राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों का बोध कराने का भी महत्वपूर्ण अवसर है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि आज विद्या भारती के आह्वान पर देशभर में 25 हजार से अधिक स्थानों पर एक करोड़ से अधिक विद्यार्थियों और नागरिकों द्वारा सामूहिक रूप से 'वंदे मातरम्' का गायन किया जा रहा है। इतनी बड़ी संख्या में एक साथ मां भारती की वंदना राष्ट्रीय एकता और चेतना का अद्भुत दृश्य प्रस्तुत करती है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को 'वंदे मातरम्' के गौरवशाली इतिहास और स्वतंत्रता आंदोलन में उसकी भूमिका से परिचित कराने के साथ उनके भीतर राष्ट्रप्रेम एवं कर्तव्यबोध की भावना को और मजबूत करते हैं।

बड़ा सपना देखिए और आज से ही उसके लिए मेहनत शुरू कीजिए

मुख्यमंत्री साय ने विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद करते हुए कहा कि आप सभी देश और छत्तीसगढ़ का भविष्य हैं। आने वाले वर्षों में देश और समाज की जिम्मेदारी आपके कंधों पर होगी। इसलिए जीवन में बड़ा सपना देखिए, अपना लक्ष्य तय कीजिए और उसे प्राप्त करने के लिए पूरी लगन, अनुशासन और ईमानदारी से मेहनत कीजिए। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि यदि कोई कलेक्टर, एसपी, डॉक्टर, इंजीनियर, शिक्षक अथवा किसी अन्य क्षेत्र में जाकर देश और समाज की सेवा करना चाहता है तो अपने लक्ष्य को अभी से स्पष्ट करे और उसकी तैयारी शुरू कर दे। जीवन में सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। दृढ़ संकल्प, अनुशासन और निरंतर परिश्रम से कठिन से कठिन लक्ष्य को भी हासिल किया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों से कहा कि वे अपनी शिक्षा और व्यक्तिगत सफलता को राष्ट्र एवं समाज की प्रगति से जोड़कर देखें।

अपने जीवन में जो भी दायित्व मिले, उसे पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभाएं तथा अपने ज्ञान और प्रतिभा का उपयोग समाज और देश की सेवा में करें।

दूरस्थ अंचलों के बच्चों को भी मिल रहे आगे बढ़ने के बेहतर अवसर

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार ने शिक्षा को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में रखा है। हमारा प्रयास है कि छत्तीसगढ़ के हर बच्चे को, चाहे वह शहर में रहता हो या बस्तर-सरगुजा के किसी सुदूर अंचल में, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और अपनी प्रतिभा को निखारने के समान अवसर मिलें। इसके लिए प्रदेशभर में शैक्षणिक सुविधाओं और विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध संसाधनों का निरंतर विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बेहतर वातावरण उपलब्ध कराया जा रहा है। सरकार का प्रयास है कि संसाधनों के अभाव में प्रदेश के किसी भी प्रतिभाशाली बच्चे की आगे बढ़ने की राह न रुके। मुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली स्थित ट्रायबल यूथ हॉस्टल में विद्यार्थियों के लिए सीटों की संख्या बढ़ाकर 200 कर दी गई है। उन्होंने कहा कि वहां अध्ययनरत छत्तीसगढ़ के 13 विद्यार्थियों ने यूपीएससी की प्रारंभिक परीक्षा में सफलता प्राप्त की है। यह उपलब्धि प्रदेश के युवाओं की प्रतिभा, मेहनत और आगे बढ़ने की क्षमता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि सही अवसर, मार्गदर्शन और संसाधन मिलने पर छत्तीसगढ़ के हमारे बच्चे देश के किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने में सक्षम हैं।

1500 स्थानों पर पांच लाख लोगों ने किया सामूहिक गायन

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए माणिक लाल साहू ने कहा कि विद्या भारती के आह्वान पर देशभर में 25 हजार स्थानों पर लगभग एक करोड़ लोगों द्वारा एक साथ 'वंदे मातरम्' का गायन किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ में भी लगभग 1500 स्थानों पर पांच लाख लोगों ने इस आयोजन में सहभागिता की। मां सरस्वती बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष नीलेश अग्रवाल ने कहा कि 'वंदे मातरम्' भारत की राष्ट्रीय चेतना, त्याग और गौरव की अभिव्यक्ति है। उन्होंने सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्व-बोध और नागरिक कर्तव्य जैसे पंच परिवर्तन को जीवन में आत्मसात करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि व्यक्ति और समाज के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन से ही सशक्त राष्ट्र के निर्माण का मार्ग प्रशस्त होता है।

शिक्षा केवल ज्ञान नहीं, चरित्र और जिम्मेदार नागरिक के निर्माण का माध्यम

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान या डिग्री प्राप्त करना नहीं है। शिक्षा ऐसी होनी चाहिए, जो ज्ञान के साथ संस्कार दे, अनुशासन सिखाए, चरित्र का निर्माण करे और बच्चों में समाज तथा राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करे। संस्कारवान और राष्ट्रभक्त युवा ही सशक्त समाज और विकसित राष्ट्र की मजबूत नींव बनते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि विद्या भारती के विद्यालय लंबे समय से शिक्षा के साथ संस्कार, अनुशासन, सामाजिक दायित्व और राष्ट्रभक्ति की भावना को मजबूत करने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों के व्यक्तित्व और भविष्य निर्माण में समर्पित सभी आचार्यों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षक केवल शिक्षा ही नहीं देते, बल्कि बच्चों के जीवन को सही दिशा देने का महत्वपूर्ण दायित्व भी निभाते हैं।

फूल लेकर आए नन्हे कदम, उप मुख्यमंत्री ने बच्चों को गोद में उठाया, बच्चों की मासूमियत ने जीता दिल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। आंगनबाड़ी केंद्र में जब दो-तीन साल के नन्हे बच्चे फूल लेकर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के स्वागत के लिए आगे बढ़े, तो माहौल में सहज अपनापन दिखाई दिया। किसी बच्चे के हाथ में फूल था तो किसी के हाथ में अपनी बनाई हुई चित्रकारी। बच्चों ने मासूमियत से उप मुख्यमंत्री को फूल भेंट किए। श्री शर्मा भी बच्चों के बीच पहुंचे और उनके साथ ऐसे घुल-मिल गए, जैसे परिवार के किसी बड़े के साथ बच्चे सहज होकर बातें करते हैं। उन्होंने बच्चों को गोद में उठाया, उनसे बातचीत की, तस्वीरें खिंचवाईं और उन्हें खिलौने व चॉकलेट भेंट किए।

सेवा संकल्प अभियान के तहत कबीरधाम जिले के जिला मुख्यालय कवर्धा के आंगनबाड़ी केंद्र दरीपारा में आयोजित 'आंगन मिलन सेवा' कार्यक्रम का शुभारंभ उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने किया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों और महिलाओं के बीच पहुंचे उप मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां आकर बिल्कुल घर जैसा माहौल महसूस हो रहा है। बच्चों की मासूमियत और उनका उत्साह देखकर मन प्रसन्न हो गया।

माताओं के हाथों में आई राशि से बेटियों का भविष्य संवर रहा: उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कार्यक्रम में 'महतारी वंदन योजना' की राशि के उपयोग की जानकारी ली। महिलाओं ने बताया कि वे योजना से मिलने वाली राशि को अपनी बेटियों के भविष्य के लिए 'सुकन्या समृद्धि योजना', 'नोनी सुरक्षा योजना' सहित अन्य जरूरतों में उपयोग कर रही हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि माताओं के हाथ में राशि पहुंचती है तो उसका सदुपयोग ही होता है। कई माताएं इस राशि को अपनी बेटियों के भविष्य के लिए जमा कर रही हैं, तो कुछ परिवार की जरूरतों में इसका उपयोग कर रही हैं। यह इस बात का उदाहरण है कि महिलाओं के हाथ में पहुंची आर्थिक सहायता परिवार के भविष्य को मजबूत करने में उपयोगी साबित हो रही है।

बच्चों की मुस्कान और महिलाओं की प्रतिभा बनी कार्यक्रम की पहचान: कार्यक्रम में बच्चों के लिए चित्रकला तथा महिलाओं के लिए रंगोली, मेहंदी और पारंपरिक व्यंजन प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। महिलाओं ने उत्साह के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। उप मुख्यमंत्री ने रंगोली, मेहंदी और पारंपरिक व्यंजनों की प्रदर्शनी का अवलोकन कर महिलाओं का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाली आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं तथा 'महतारी वंदन योजना' की राशि का उपयोग उपयोगी कार्यों और भविष्य की योजनाओं में करने वाली माताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

नन्हे हाथों की चित्रकारी में दिखी बड़ी सोच

बच्चों द्वारा बनाई गई चित्रकारी ने उप मुख्यमंत्री का विशेष ध्यान खींचा। नन्हे हाथों से बनाए गए चित्रों को देखकर उन्होंने बच्चों की रचनात्मकता की सराहना की। उन्होंने कहा कि आज के बच्चे छोटी उम्र में ही कितनी अच्छी तरह सोचकर चित्र बना रहे हैं। एक बच्चे द्वारा सैनिक, भगवान शंकर और तिरंगे से जुड़ा चित्र बनाए जाने का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि बच्चे ने जिस तरह अपने विचार को चित्र के माध्यम से व्यक्त किया, वह बहुत बड़ी बात है। बच्चों की चित्रकारी को देखते हुए उप मुख्यमंत्री ने अपने बचपन को भी याद किया। उन्होंने कहा कि बच्चों को इस उम्र में इस तरह अपनी सोच को चित्रों के माध्यम से व्यक्त करते देखकर बहुत अच्छा लगा। उन्होंने बच्चों, माताओं-बहनों, अभिभावकों और महिला एवं बाल विकास विभाग को शुभकामनाएं दीं।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950